राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

राष्ट्रीय महत्व का संस्थान

वार्षिक प्रतिवेदन

२०१५ - २०१६

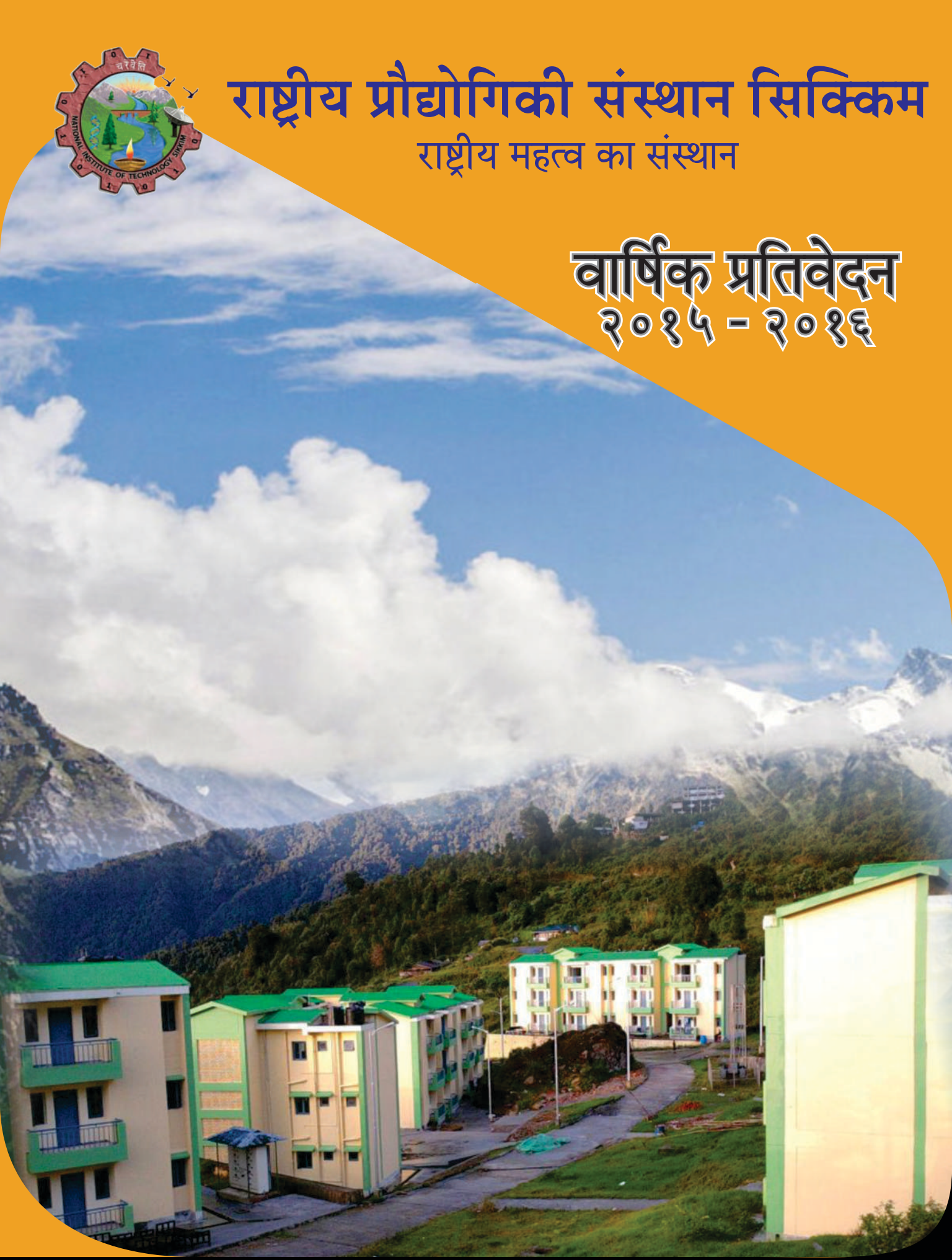

वार्षिक प्रतिवेदन
२०१५ – २०१६

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम
राष्ट्रीय महत्व का संस्थान
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार

विषय सूचि

१	विजन	०२
२	मिशन	०२
३	लक्ष्य	०२
४	शैक्षणिक कार्यक्रम	०२
५	ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	०३
६	परिसर	०३
७	परिसर में निम्नलिखित संरचनात्मक सुविधाएं	०३-०४
८	चिकित्सकीय सुविधाएं	०४-०५
९	छात्रों के लिए छात्रावास	०६
१०	छात्रावास के नियम	०६-०९
११	आपातकालीन बिजली आपूर्ति	१०
१२	छात्र भोजनालय	१०
१३	छात्रवृतियां	१०
१४	अति आवश्यक निर्माण कार्य	१०-११
१५	परिसर के लिए स्थायी जमीन की अवस्थिति	११
१६	शैक्षणिक तथ्य एवं आंकड़े	१२-१३
१७	प्रशासनिक समितियां	१३-१९
१८	गैर-शैक्षणिक कर्मचारीगण	२०
१९	प्रतीक चिह्न का स्वीकरण	२१
२०	वेब-साइट का निर्माण	२२
२१	केंद्रीय पुस्तकालय	२३-२५
२२	योजना और विकास गतिविधि	२५-२६
२३	शैक्षणिक संकाय	२७-३५
२४	संस्थान में आमंत्रित विभिन्न व्याख्यान	३५
२५	अनुसंधान गतिविधियां	३५-३७
२६	विभिन्न आयोजन और उत्सव	३८-३९
२७	नियोजन आंकड़े	४०
२८	प्रतिवेदन टीम	४१
२९	परिशिष्ट अ : अंकेक्षण रिपोर्ट ए.जी सिक्किम २०१५ -२०१६	
३०	परिशिष्ट ब : वार्षिक लेखा २०१५ - २०१६	

विजन

विश्व के विज्ञान एवं तकनीकी प्रयोग में भारत एक राष्ट्र के रुप में अपनी प्रौद्योगिकी निरंतरता, दर्शन और मूल्य-बोध के साथ योगदान की क्षमता रखता है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम इस योगदान में अपनी भूमिका निभाएगी।

मिशन

छात्रों को चिन्तनशील अभियंता के रुप में तैयार करना। छात्रों को वैश्विक सुविधाएं प्रदान करना और साथ ही भारत तथा विश्व के दर्शन, मूल्य-बोध की रक्षा करना।

लक्ष्य

- छात्रों में अनुभव गुणवत्ता,महत्वपरक शिक्षा,सेवाभाव एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करना।
- शिक्षकों में शैक्षणिक योग्यता, कर्मचारी और छात्रों में सामाजिक मूल्यों का विकास करना जिससे सामाजिक न्याय और गणतंत्र की सुरक्षा हो सके।
- अन्य शैक्षिक संस्थानों, संगठनों एवं विद्यालयों से संपर्क स्थापित करना और संगठित होकर राष्ट्र विकास में उनका नेतृत्व करना।
- संस्थान में प्रतिबद्धता, समभाव एवं पारस्परिक सहायता का वातावरण तैयार करना।
- संस्थान में बेहतर प्रबंधन के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहना।
- ऐसी विधि और वातावरण का निर्माण जिसमें छात्र क्षमता और जिम्मेदारी का आभास कर सकें और ज्ञान के विस्तार के साथ सामाजिक एवं प्राकृतिक जीवन को बेहतर करने में सहायक हों।

शैक्षणिक कार्यक्रम

संस्थान अत्याधुनिक पाठ्यक्रम पर आधारित तकनीकी शिक्षा प्रदान करता है। सभी अन्तर स्नातक कार्यक्रम, एम.टेक, (सी.एस.ई, ई.सी.ई) और पीएच.डी. आइ.आइ.टी व्यस्था के अनुरूप तैयार किये गये हैं। सैद्धांतिक और प्रायोगिक दोनों ही पाठ्यक्रमों पर समुचित जोर दिया जाता है। वैसे संस्था पाठ्यक्रम के परिशोधन की जरूरत को समझता है और इस दिशा में कार्य कर रहा है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम भारत सरकार के दस नव-निर्मित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में से एक है। यह ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के तहत निर्मित है। फिलहाल ये बारफंग ब्लाक के दक्षिण सिक्किम के रावंगला में अस्थायी परिसर से संचालित हो रहा है।

परिसर : वर्तमान स्थिति

फिलहाल यह संस्थान दक्षिण सिक्किम के कीवजिंग रोड में रावंगला के बारफंग खंड में स्थित है, जोकि तीन हेक्टेअर में फैला हुआ है। न्यू जलपईगुड़ी रेलवे स्टेशन और यह बागडोगरा हवाई अड्डा परिसर से क्रमश: ११३ और १०६ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

परिसर

परिसर में निम्नलिखित संरचनात्मक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम का वर्तमान परिसर पूरी तरह से अस्थायी है, परंतु यह परिसर सम्पर्क और प्राकृतिक सुविधाओं की दृष्टि से परिपूर्ण है। खामदोंग परिसर की ही तरह रावंगला परिसर जवाहर नवोदय विद्यालय रावंगला के काफी करीब है। एन.आई.टी परिसर से २.५ किमी की दूरी पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया रावंगा शाखा, पोस्ट-ऑफिस जहां पर स्पीड पोस्ट की सुविधाएं उपलब्ध है और एक सैनिक चिकित्सालय उपलब्ध है।
- १६ तीन तलों वालों भवन समूह जिसमें हर एक भवन में दो शयन कक्ष वाले उपभवन उपलब्ध हैं कुल १६ उपभवनों का प्रयोग छात्रावास, अध्यापक कक्ष, कक्षा एवं अध्यापकों के आवास के रुप में हो रहा है। प्रत्येक कक्ष में चारपाई, कुर्सी एवं टेबल प्रदान किया गया है जिसमें छात्र अपना अध्ययन कर सकें।

- आकादमी भवन में तीन कक्षा, दो संगणक प्रयोगशाला और तीन संकाय कक्षा है। इसमें जरूरत के अनुसार बेंच, डेस्क, टेबल, कुर्सी, आलमारी खरीदी गई है। यह सभी २०११ में निदेक की नियुक्ति के उपरांत सुसज्जित किए गए हैं।
- एफ.आई.डी.ए. द्वारा प्रस्तावित प्रशासनिक भवन का निर्माण कार्य सम्पन्न हो चुका है तथा वर्तमान में यह भवन क्रियाशील है। इस भवन में प्रशासनिक कार्य हेतु ३ कक्ष हैं। इसके अलावा निदेशक कक्ष, संकाय-प्रशासनिक-निदेशकीय सभाओं हेतु अन्य कक्ष तथा शैक्षिक दस्तावेजों के रख- रखाव हेतु कक्ष नियुक्त किए गए हैं।
- एक सार्वजनिक क्रिड़ा-स्थल विद्यार्थियों के उपयोग हेतु उपलब्ध कराया गया है।
- अकादमी भवन के प्रकोष्ठ स्थान के उपयोग द्वारा एक अंत:कक्ष क्रीड़ास्थल का निर्माण किया गया है। वर्तमान में अध्यापकों एवं छात्रों द्वार बैडमिंटन खेल हेतु प्रयोग किया जा रहा है।
- छात्रों के लिए एक अतिरिक्त क्रीड़ास्थल निर्माणाधीन है। यह स्थल विभिन्न खेल जैसे बॉलीबाल, खो-खो, कबड्डी आदि के लिए भी प्रयोग में लाया जा सकता है।
- इन भवनों के आसपास की लगभग २-३ एकड़ जमीन को परिवृत किया गया है। २०११ में निदेशक की नियुक्ति के उपरांत ही कार्यालय-चिकित्सा कार्यों के लिए ३ वाहन उपलब्ध कराए गए हैं।

चिकित्सकीय सुविधाएं

- **परिसर में चिकित्सा इकाई:** सभी विद्यार्थियों, कर्मियों और प्राध्यापक सदस्यों के लिए २४ गुना ७ मुफ्त चिकित्सा इकाई का लाभ लेने की सुविधा परिसर में है। यहां सभी आपातकालीन दवाएं हैं और यह प्राथमिक चिकित्सा की दवा और उपकरण से लैस है।
- **चिकित्सकों की उपलब्धता :** डॉ. देवकोटा जो एक हड्डी रोग विशेषज्ञ हैं, डॉ. संजय राय, जनरल फीजिसीयन, डॉ. उना प्रधान जो एक दंत रोग विशेषज्ञ हैं और श्री थेंदुप दोरजी भूटिया जो एक बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता हैं, ये सभी हमारी चिकित्सा इकाई का दौरा करते रहते हैं और वे निम्नलिखित समय सारणी के अनुसार अपनी मूल्यवान सेवा देते हैं।

	डॉ. देवकोटा	डॉ. संजय राय	डॉ. उना प्रधान	श्री थेंदुप दोरजी भूटिया
दिन	हर रविवार	सभी मंगलवार और शुक्रवार	हर शनिवार	सभी सोमवार और गुरुवार
समय	१२ पूर्वाह्न से दोपहर २ बजे	दोपहर २ बजे से शाम ५ बजे	दोपहर १ बजे से ३ बजे तक	दोपहर ३:३० से शाम ५:३० बजे

- **चिकित्सा टीम :** परिसर में पूर्णकालिक नर्सिंग सहायक श्रीमती हेमावती नियुक्त हैं, जो मेडिकल इकाई के विभाग प्रमुख डॉ. रवि श्रीवास्तव के नेतृत्व में अपनी सेवा देती हैं। किसी तरह की आपात स्थिति होने पर विद्यार्थी डॉ. रवि श्रीवास्तव को उनके संपर्क नंबर- ०९६४७७५५४९० पर मदद के लिए फोन कर सकते हैं। किसी तरह की कोई बड़ी समस्या आने पर विद्यार्थी छात्र मामलों के प्रभारी संकाय प्रमुख डॉ. सुमीत साहा से सीधे संपर्क कर सकते हैं।

- **परिसर के पास में चिकित्सा की सुविधाएं:** विद्यार्थी रावांगला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का दौरा कर सकते हैं (पीएचसी: परिसर से ३ किलोमीटर की दूरी पर स्थित) अथवा अगर उन्हें वहां से रेफर किया जाता है तो छात्रों को नामची जिला अस्पताल पहुंचाया जाता है।

- **वाहन:** आपातकालीन चिकित्सीय स्थिति के लिए संस्थान में एंबुलेंस उपलब्ध है। छात्रों को मुफ्त में उस वाहन से रावांगला पीएचसी अथवा नामची पहुंचाया जाता है। सामान्यतया चिकित्सा इकाई की टीम बीमार छात्रों के साथ रहती है।

- **चिकित्सीय दुकान :** रावांगला के बाजार मेडिकल की दो दुकानें हैं जहां जरूरी दवाएं उपलब्ध रहती हैं।

- **निदान केंद्र:** जिला मुख्यालय नामची (रावांगला से २६ किलोमीटर पर स्थित) दो नैदानिक केंद्र हैं। छात्र यह सुविधा नामची जिला मुख्यालय में भी प्राप्त कर सकते हैं।

- **दूरभाष औषधि कार्यक्रम :** हाल में ही हम ने दूरभाषऔषधि कार्यक्रम आमंत्रित किया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आसपास के विद्यालय और गांव में चिकित्सीय सलाह जरूरतमंद लोगों को उपलब्ध कराना है।

दूरभाष औषधि कार्यक्रम

चिकित्सा इकाई

छात्रों के लिए छात्रावास :

कुल मिलाकर छात्रों के ११ छात्रावास हैं, जिनमें से २ रावांगला शहर में स्थित है। किराये के ये २ भवन प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए है। छात्राओं के लिए कुल ३ छात्रावास हैं जो परिसर के अंदर मौजूद है। परिसर के छात्रावास पूरी तरह वाईफाई सुविधाओं से युक्त है। रावांगला शहर के छात्रावास के छात्रों को मोडेम के जरिये वाईफाई की सुविधाएं शेयरिंग के आधार पर उपलब्ध करायी गयी है जहां से वे इंटरनेट सेवा प्राप्त करते हैं। छात्रों की सुविधा के लिए बस सेवा भी उपलब्ध करायी गयी है।

छात्रावास के नियम

- किसी भी विद्यार्थी को (छात्र-छात्रा) कार्य दिवस की अवधि में परिसर के बाहर की अनुमति नहीं है।
- सप्ताहांत-अवकाश के दौरान चीफ वॉर्डन या एस.ए.सी सदस्य की सहमति के बिना किसी भी विद्यार्थी को परिसर के बाहर जाने की अनुमति नहीं है।
- विंटर सेमेस्टर के दौरान सायं ६ बजे तथा मानसून सेमेस्टर के दौरान सायं ६:३० बजे छात्राओं का छात्रावास में उपस्थित होना अपेक्षित है।
- विंटर सेमेस्टर के दौरान सायं ६:३० बजे तथा मानसून सेमेस्टर के दौरान सायं ७:०० बजे छात्रों का छात्रावास में उपस्थित होना अपेक्षित है।
- विद्यार्थियों द्वारा बाहर जाते समय या लौटकर परिसर में आते हुए सुरक्षा पंजिका में प्रविष्टि करना अनिवार्य है।
- विद्यार्थियों का रात्रि १०:०० बजे अपने कक्ष में रहना अपेक्षित है।
- छात्रायों का प्रवेश पुरुष छात्रावास में तथा छात्रों का महिला छात्रावास में प्रवेश निषेध है।
- मद्यपान, ड्रग या धूमपान का प्रयोग निषेध है। शिक्षकों द्वारा किसी भी समय छात्रावासकी जांच-पड़ताल की जा सकती है। मादक पदार्थों का सेवन या भंडारण पूर्णतः निषिद्ध है। यदि भी विद्यार्थी इसका दोषी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कडी कार्रवाई का प्रावधान है। किसी भी तरह की द्यूत-क्रीड़ा का भी निषेध है।
- पुरुष छात्रों का महिला छात्रों हेतु निश्चित प्रांगण में प्रवेश निषेध है।
- छात्रों का छात्राओं या शिक्षकों हेतु निश्चित भोजनशाला में भोजन निषिद्ध है। इसी तरह छात्राओं द्वारा छात्रों या शिक्षकों हेतु निश्चित भोजनशाला में भोजन करना निषिद्ध है। छात्रों द्वारा छात्राओं की भोजनशाला में बैठना या वाद-विवाद या चर्चा करना निषिद्ध है।
- चीफ-वॉर्डन की अनुमति के बिना किसी भी अतिथि को छात्रावास में लाना निषिद्ध है।
- किसी भी तरह की रैगिंग दण्डनीय अपराध है। विद्यार्थियों को संस्थानकी एंटी-रैंगिंग नीति

का पालन करना अनिवार्य है। विद्यार्थियों से अपेक्षित है कि वे रैगिंग के अंतर्गत आने वाले क्रिया कलापों से अवगत होंगे व उनका अनुसरण करने से बचेंगे।

- विशेष परिस्थितियों में सुयोग्य प्राधिकारी द्वारा विद्यार्थी को अपने माता-पिता या अभिभावक के साथ रहने की अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- विद्यार्थियों को उन्हें आवंटित कक्षों में रहना अनिवार्य है।
- छात्रावास के कक्ष में उपलब्ध कराई गई वस्तुएं जैसे फर्नीचर और विद्युत उपकरणों की पूर्ण जिम्मेदारी विद्यार्थी की होगी। किसी प्रकार की क्षति या नुकसान होने पर विद्यार्थी को अर्थदंड भुगतना होगा।
- छात्रावास के किसी भी कक्ष को तोड़कर खोलने की अनुमति नहीं है। छात्रावास की संपत्ति का नुकसान होने पर संस्थान जिम्मेदार नहीं होगा।
- विद्यार्थियों को अपने सामान की सुरक्षा स्वयं करनी होगी। किसी भी प्रकार की क्षति या क्षति के कारणों जैसे आग आदि की जिम्मेदारी संस्थान की नहीं होगी और संस्थान किसी भी परिस्थिति में ऐसे व्यक्तिगत क्षति की भरपाई नहीं करेगा।
- हीटर, फ्रिज, आदि उपकरणों का प्रयोग निषिद्ध है।
- छात्रावास में प्रवेश के उपरांत विद्यार्थी पूर्ण वर्ष उसी छात्रावास का अंतःवासी रहेगा जब तक उन्हें अनुशासनहीनता का दोषी न पाया जाए। छात्रों द्वारा बकाया राशि का भुगतान न होने पर परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं होगी। ऐसी दशा में उन्हें छात्रावास – भोजनालय से निष्काषित भी किया जा सकता है।
- छात्रावास में प्रवेश के उपरांत विद्यार्थी स्वतः भोजनशाला की सदस्यता प्राप्त कर लेता है। सभी छात्रों द्वारा सेमेस्टर के प्रारंभ से अंत तक की भोजन राशि का भुगतान करना अनिवार्य है। सेमेस्टर विराम के दौरान संस्थापन राशि का भुगतान करना भी अपेक्षित है।
- मेस बिल का भुगतान निर्धारित दिनांक के पहले अग्रिम राशि के रुप में हो जाना चाहिए। अपितु नियमानुसार अर्थदंड का भुगतान अनिवार्य होगा।
- विद्यार्थी के माता-पिता या अभिभावक का छात्रावास में ठहरना निषिद्ध है।
- छात्रावास के अंतःवासियों का चीफ वॉर्डन-वॉर्डन-एस.ए.सी सदस्य की अनुमति के बिना बाहर जाना निषिद्ध है। अनुमति प्राप्त करने के लिए अग्रिम रुप से प्रार्थना-पत्र उचित व्यक्ति के समक्ष प्रस्तुत करना होगा जिसमें बाहर जाने की तिथि व पता लिखित हो। यह पत्र प्रस्तुक किए बिना व उचित अनुमति के अभाव में छात्र द्वारा परिसर से बाहर जाने पर उसे लापाता माना जाएगा। ऐसी दशा में उस छात्र के अभिभावक व पुलिस को भी सूचित किया जा सकता है।

- विद्यार्थी द्वारा किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति को छात्रावास में शरण देने पर छात्र को छात्रावास से निष्कासित किया जा सकता है। छात्रावास को भ्रष्ट या बदमाश व्यक्तियों के छिपने की जगह नहीं माना जा सकता। पुलिस को यह अधिकार होगा कि वे परिसर में अपराध के तीव्रता के अनुसार नजरबंद कर सके।

- अवकाश के दिनों में बिना किसी पूर्ण सूचना प्रदान किए हुए छात्र छात्रावास प्रांगण को छोड़कर पिकनिक या किसी अन्य स्थल पर नहीं जा सकते। अनुमति के उपरांत पिकनिक या बाहर जाते हुए किसी दुर्घटना की जिम्मेदारी संस्थान की नहीं होगी।

- क्षेत्र, धर्म या सम्प्रदाय के अनुसार किसी प्रकार की संगति या साहचर्य निषिद्ध है।

- छात्रावास में किसी भी प्रकार की गुप्त गतिविधियां या सभा आयोजित करना निषिद्ध है। किसी भी प्रकार की बैठक करने से पूर्व चीफ वॉर्डन की अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य है।

- अंतःवासियों को ऐसी गतिविधियों से बचना चाहिए जिससे अन्य विद्यार्थियों या परिसर की शांति भंग हो। छात्रावास में निवास प्राप्त करने को अधिकार नहीं माना जा सकता। जिन छात्रों को शांति भंग करने का दोषी पाया जाएगा उन्हें नियम भंग करने के लिए छात्रावास से निष्कासित कर दिया जाएगा।

- कोई भी विद्यार्थी कानून को अपने हाथ में नहीं लेगा। यदि किसी छात्र को किसी अन्य छात्र या छात्रायों द्वारा हानि पहंचाई जाती है तो इसकी सूचना उस छात्र को शीघ्रातिशीघ्र वॉर्डन को देना चाहिए।

- छात्रावास में किसी भी तरह के हथियार, छड़ी, रॉड, चेन रखना निषिद्ध तथा दंडनीय अपराध है।

- ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने चार वर्ष की अवधि पूरी कर ली है परन्तु कुछ परीक्षाओं में सम्मिलित होंगे उन्हें स्लो लर्नर कहा जाता है। इन विद्यार्थियों की चार वर्ष की अवधि पूरी होने पर संस्थान इनके निवास की जिम्मेदारी नहीं लेता।

- विद्यार्थियों के अस्वस्थ होने की स्थिति में चीफ वॉर्डन व एस.ए.सी सदस्य को सूचित करना चाहिए। चिकित्सा व्यवस्था संस्थान द्वारा प्रदान की जाएगी। हालांकि ऐसी बीमारियां जिसमें विशिष्ट चिकित्सकों की आवश्यकता हो, विद्यार्थी को स्वतः प्रबंध करना होगा। संक्रामक रोग से पीडित छात्र को छात्रवास में रहने की अनुमति नहीं है।

- अंतवासियों को छात्रावास के कर्मचारियों से बहस या उनके काम में दखल नहीं देना चाहिए। यदि किसी प्रकार की शिकायत या सलाह वॉर्डन को बताई जानी चाहिए।

- तेज आवाज में म्यूजिक या वीडियों बजाना निषिद्ध है क्योंकि इससे अन्य विद्यार्थियों को असुविधा होती है ऐसाकरने पर अंतःवासियों के गैजेट को जब्त किया जा सकता है। अर्थदंड का भी प्रावधान है।

- किसी भी अंतःवासी का कक्ष किसी भी समय वॉर्डन, संस्थान के कर्मचारी या पुलिस अधिकारियों द्वारा चेक किया जा सकता है। विद्यार्थियों से अनुरोध है कि वे अपना पहचान पत्र अपने साथ रखें व आवश्यकता पड़ने पर दिखावें।

- छात्रावास या भोजनालय के प्रतिनिधि का चुनाव मेरिट के आधार पर या चीफ वॉर्डन द्वारा अभिलाषित किया जाएगा। ये प्रतिनिधि ब्लाक या मेस की देखरेख में चीफ वॉर्डन की सहायता करेंगे। सभी विद्यार्थियों से इन प्रतिनिधि से सहयोग अपेक्षित है।

- अंतःवासियों से अनुरोध है कि वे अपने आस-पास स्वच्छता रखें।

- छात्रावास या छात्रावास परिसर में पटाखों का उपयोग निषिद्ध है।

- किसी भी प्रकार के नारे या भित्ति चित्र या आपत्तिजनक चित्रकारी करना निषिद्ध है। ऐसा करने वाले छात्रों पर सख्त कार्रवाई का प्रावधान है।

- अंतःवासियों को छात्रावास परिसर या कॉमनहॉल में क्रिकेट या फुटबॉल खेलना मना है। इससे घायल होने का खतरा तो है ही, आसपास अशांति भी फैलती है। ऐसा करने पर सख्त कार्रवाई का प्रावधान है।

- किसी भी विद्यार्थी को दुराचार या नियमों का उल्लंघन का दोषी पाए जाने पर उसे अर्थदंड, निलंबन या निष्कासन का सामना करना पड़ सकता है।

- उपर्युक्त छात्रावास के नियम और अधिनियमों का उल्लंघन करने की दशा में दोषी छात्र के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ऐसी घटना की प्रविष्टि संस्थान की फाइल में लिपिबद्ध किया जा सकता है।

आपातकालीन बिजली आपूर्ति :

- छात्रावास, विभागीय कार्यालयों एवं शैक्षणिक भवन कमरों में आपातकालीन बिजली आपूर्ति की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है।

छात्र भोजनालय :

- छात्र भोजनालय के यांत्रिकीकरण के लिए उपकरण खरीदे गये हैं ताकि स्वास्थवर्धक भोजन उपलब्ध हो सके। सारे ढांचे विकसित किये गये हैं। कुल २ भोजनालय हैं, एक छात्र के लिए एक छात्राओं के लिए।
- छात्राओं के भोजनालय के लिए १/०३/२०१६ को और छात्रों के भोजनालय के लिए दिसंबर २०१५ में बर्तन खरीदे गये थे।

छात्रवृतियां :

राष्ट्रीय महत्व के संस्थान होने के कारण राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम के छात्रों को हर साल हर बैच में १२ छात्रवृतियां दी जाती हैं, जोकि सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय के तहत "अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा" के नाम से दी जाती है और "अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए उच्च स्तरीय शिक्षा " के तहत हर साल हर टोली में ५ छात्रवृतियां जनजातीय मामले के मंत्रालय द्वारा दी जाती है। अन्य पिछड़ी जातियों (ओबीसी) के कई विद्यार्थियों को संबंधित राज्यों से छात्रवृति मिलती है। अल्पसंख्यक मामले के मंत्रालय (एमओएमए) से अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों को छात्रवृति मिलती है। विद्यार्थियों को अन्य एजेंसी मसलन एकेडमिक एक्सेलेंस ऐंड एक्सेस (एफएईए) से भी छात्रवृति मिलती है। संस्थान के भुगतान में कुल १२ विद्यार्थियों को २०१५-१६ में अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए उच्च वर्ग छात्रवृति के तहत दी गयी। अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए उच्च वर्ग छात्रवृति के तहत संथान के निदेशक/ मुख्य संरक्षक के खाते में जो छात्रवृति प्राप्त की गयी और विद्यार्थियों को भुगतान किया गया उसकी संख्या २८ थी। अन्य पिछड़ी जातियों की जो छात्रवृति संस्थान में भुगतान किये गये और छात्रों को दिये गये उसकी संख्या १६ थी।

अति आवश्यक निर्माण कार्य :

रा. प्रौ. सं. के प्रस्तावित स्थायी परिसर के लिए मार्च २०१२ में खांमडांग की जमीन संस्थान के प्राधिकार के सुपुर्द किया गया। हालांकि भौतिक तौर पर यह अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है। इसलिए अध्यापन और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए रावांगला परिसर में ही संस्थान ने कुछ अनिवार्य निर्माण शुरू कराया। इसका विवरण निम्नलिखित है।

- भूकंप में क्षतिग्रस्त होने वाले रावांगला परिसर के मौजूदा आवासीय व गैरआवासीय भवन का जीर्णोद्धार कर लिया गया है।
- रावांगला परिसर स्थित सामुदायिक केंद्र (बहुउद्देशीय कक्ष) की मरम्मत और जीर्णोद्धार जोकि भूकंप में पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था उसे पूरा कर लिया गया है।

- रावांगला परिसर स्थित अकादमिक खंड के आंगन में ट्यूब्यूलर ट्रस जोकि प्रेकोटेड गैलवेनाइज्ड शीट है, का निर्माण पूरा कर लिया गया है और वह इनडोर गेम बैडमिंटन के इस्तेमाल किया जा रहा है।
- रावांगला परिसर के खेलमैदान के स्थायी चेन लिंक घेरेबंदी पूरी कर ली गयी है ;
- रावांगला परिसर के सामने के द्वार और प्रहरी कमरे का निर्माण पूरा कर लिया गया है।
- दूसरे चरण में छात्रावास और भोजनालय में पूर्व निर्मित संरचना का निर्माण पिछले साल शुरू किया गया और कार्य पूरा हो गया है।
- रावांगला परिसर में खेल मैदान के निर्माण का कार्य प्रगति पर है और इसे अगले साल पूरा कर लिया जायेगा।
- द्रव्य यांत्रिक प्रयोगशाल, संरचनात्मक प्रयोगशाला और कार्यशाला के निर्माण का कार्य शुरू किया जा चुका है।
- रा. प्रौ. सं. सिक्किम के रावांगला परिसर में आरसीसी मुख्य निकास के निर्माण का कार्य सीसी संपर्क सड़क के साथ दोनों छात्रावास में पूर्व निर्मित संरचना के निर्माण का कार्य प्रगति पर है।
- पहले के विद्यार्थी भोजनालय का यांत्रिक प्रयोगशाला के रूप में बदलने के लिए मरम्मत और जीर्णोद्धार का काम प्रगति पर है।
- रा. प्रौ. सं. सिक्किम के रावांगला परिसर में नियमीत पॉवर आपूर्ति के लिए सिक्किम के ऊर्जा और बिजली विभाग के साथ पहल की गयी है जिसमें अलग से ११ केवी ३ चरण का प्रतिबद्ध ट्रांसमिशन लाइन ६६/११ केवी नियंत्रण कक्ष से आपूर्ति की बात है।
- जैसे ही स्थायी जमीन सुपुर्द की जायेगी चहारदीवारी और द्वार का निर्माण शुरू हो जायेगा।

स्थायी परिसर के लिए स्थायी जमीन की अवस्थिति

संस्थान के कार्य में आने के छह साल पूरे हो गये हैं। हालांकि अब तक स्थायी परिसर के लिए जमीन आवंटित नहीं की गयी है। २४ अगस्त २०११ के एक आधिकारिक निरीक्षण के बाद शुरू में खामडांग में एक जमीन आवंटित की गयी थी। यद्यपि जमीन रा. प्रौ. सं. को सुपुर्द नहीं की गयी। २०१५ में अन्य स्थल जोकि थेकाबांग (पाकयॉंग के पास) का प्रस्ताव किया गया। लेकिन एमएचआरडी द्वारा गठित स्थल चयन समिति ने इसे उपयुक्त नहीं पाया।

हाल में भारत सरकार के मानव व संसाधन मंत्रालय ने एक स्थल चयन समिति का गठन (एफ नंबर २१/६/२०१०, टीएस ३ तारीख ७/११/२०१६) किया है, जिसे रावांगला स्थित नये स्थल जिसका क्षेत्रफल १११ एकड़ है, का दौरा करना है। नये स्थल को सिक्किम सरकार ने रा. प्रौ. सं. सिक्किम के स्थायी परिसर के लिए चिह्नित किया है। स्थल चयन समिति का दौरा शीघ्र होने वाला है।

शैक्षणिक तथ्य एवं आंकड़े

वर्तमान स्नातक पाठ्यक्रम

- जैव प्रौद्योगिकी में बी.टेक
- जानपद अभियंत्रण में बी.टेक
- संगणक विज्ञान और अभियंत्रण में बी.टेक
- विद्युतीय एवं कणिका अभियंत्रण में बी.टेक
- सुक्ष्म कणिका एवं संचार अभियंत्रण में बी.टेक
- यांत्रिक उपाधि अभियंत्रण में बी.टेक

वर्तमान परास्नातक पाठ्यक्रम

- संगणक विज्ञान और अभियंत्रण में एम. टेक
- सुक्ष्म कणिका और संचार अभियंत्रण में एम.टेक

पीएचडी उपाधि के लिए वर्तमान पाठ्यक्रम

- रसायन शास्त्र
- संगणक विज्ञान और अभियंत्रण
- विद्युतीय और कणिका अभियंत्रण
- सुक्ष्म कणिका और संचार अभियंत्रण
- मानविकी एवं समाज विज्ञान
- अंतरअनुशासनिक क्षेत्रें
- गणित
- यांत्रिक अभियंत्रण
- भौतिकी

रा. प्रौ. सं.-सिक्किम के विद्यार्थियों की स्थिति का विवरण

प्रोग्राम	विद्यार्थियों की श्रेणी			कुल विद्यार्थी		
	एससी	एसटी	अन्य	पुरुष	महिला	कुल
बी. टेक (२०१६ दल)	१२	१७	१०८	१२१	१६	१३७
बी. टेक (सभी दल)	५७	४०	३०४	३४१	६०	४०१
एम. टेक (२०१६ दल)	०४	०१	१५	१६	०४	२०
एम. टेक (सभी दल)	०४	०२	२०	२०	०६	२६
पीएचडी (२०१६ दल)	०३	००	२६	२७	०२	२९
पीएचडी (सभी दल)	०८	०१	४२	४५	०६	५१
कुल (सभी दल)	६९	४३	३६६	४०६	७२	४७८

श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले छात्र : (२०१२-२०१६):

१	संगणक विज्ञान और अभियंत्रण:	**कुमारी प्रियंका**
२	विद्युतीय और कणिका अभियंत्रण:	**कुमारी पूजा गुप्ता**
३	कणिका और संचार अभियंत्रण :	**श्री रजत कुमार सिन्हा**

प्रशासनिक समितियां

• गवर्नरों का बोर्ड (बीओजीएस)

राष्ट्रीय प्रौद्योगिक संस्थान, सिक्किम (रा. प्रौ. सं.एसकेएम) ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के तहत भारत सरकार द्वारा शुरू मंजूर किये गये १० नये रा. प्रौ. सं. में से एक है। बीते छह वर्षों में छह (६) बीओजी बैठक आयोजित की गयी है। आखिरी (बीओजी की छठी बैठक) २७ नवंबर २०१६ को आइआइटी केजीपी एक्सटेंशन सेंटर, साल्ट लेक सिट, कोलकाता में आयोजित की गयी। बीओजी की वर्तमान स्थिति २०१५ निम्नलिखित है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान का प्रशानकि मण्डल :

क्रमांक	पदनाम	नाम और पता	टिप्पणी अगर कोई हो
१	अध्यक्ष	निदेशक अध्यक्ष के प्रभार में	अध्यक्ष ने इस्तीफा दे दिया है
२	निदेशक	रा. प्रौ. सं. सिक्किम के निदेशक	-
३	अतिरिक्त सचिव, एमएचआरडी, जीओआइ	अतिरिक्त सचिव अथवा संयुक्त सचिव जो तकनीकी शिक्षा विभाग संभालते हो या उच्च शिक्षा विभाग एमएचआरडी	-
४	वित्तीय सलाहकार, एमएचआरडी, जीओआइ	सदस्य अतिरिक्त सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली - ११०००१	-
५	राज्य नामित -१ सदस्य	श्री जीपी उपाध्याय, आइएएस, प्रधान सचिव, एचआरडीडी, सिक्किम सरकार, गैंगटोक - ७३७१०२	०२/०९/२०१६ को अवधि पूरी हो गयी; राज्य ने नये नाम का प्रस्ताव किया है

क्रमांक	पदनाम	नाम और पता	टिप्पणी अगर कोई हो
६	राज्य नामित -२ सदस्य	श्री डीके प्रधान, निदेशक तकनीकी शिक्षा, एचआरडीडी, सिक्किम सरकार, गैंगटोक - ७३७१०२	०२/०९/२०१६ को अवधि पूरी हो गयी; राज्य ने नये नाम का प्रस्ताव किया है
७	आई.आई.टी. गुवाहटी के निदेशक अथवा उनके प्रतिनिधि सदस्य	प्रोफेसर एससी मिश्रा, डीन, अल्यमिनी अफेयर्स ऐंड एक्सटरनल रीलेशंस, आई.आई.टी., गुवाहटी, असम- ७८१०३९	०९-०४-२०१६ को अवधि पूरी हो गयी
८	एम.एच.आर.डी. नामित -१, सदस्य	श्री रमेश शर्मा, सीएमडी, मूविंग पिक्चर कंपनी इंडिया लिमिटेड, आरजेडए- १७ ए, रोड नंबर २, दूसरा तल, महिलपालपुर, नई दिल्ली	
९	एक प्राध्यापक	बोर्ड के नामित -१	
१०	एक सहायक प्राध्यापक	एक बोर्ड से नामित	
११	एम.एच.आर.डी. नामित -२, सदस्य	मिस स्वरूपा रानी, १९६ क्लासिक ऑरचार्डस, बनरघट्टा रोड, बंगलुरु	०९-०४-२०१६ को अवधि पूरी हो गयी

- **रा. प्रौ. सं. सिक्किम की पिछली बो.ओ.जी. बैठकें**

  पिछली बैठकों का विवरण निम्नलिखित है :

क्रमांक	बीओजी बैठक की संख्या	स्थान	तारीख
१	पहली	बी.ए.आर.सी., मुंबई	१७-०३-२०१२
२	दूसरी	ध्रुव गेस्ट हाउस, नई दिल्ली	१४-०३-२०१३
३	तीसरी	डी.ए.ई., नई दिल्ली	१९-१२-२०१३
४	चौथी	डी.ए.ई., नई दिल्ली	११-०६-२०१४
५	पांचवीं	रा. प्रौ. सं. सिकिकम	१४-०४-२०१५
६	छठी	आई.आई.टी. के.जी.पी. एक्सटेंशन सेंटर, कोलकाता	२७-११-२०१५

- **भवन एवं कार्य समिति (बीडब्लूसी)**

निदेशक की अध्यक्षता में राज्य के केंद्रीय निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने संस्थान

में जानपद विभाग के संकाय सदस्यों के साथ मिल कर आवश्यक कार्यों की शुरुआत की है। स्थायी परिसर के अभाव में रुकावट आ रही है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम में अब तक भवन और कार्य समिति की दो बैठक आयोजित की गयी है।

क्रमांक	बीडब्लूसी की संख्या	स्थान	तारीख
१	पहली	रा. प्रौ. सं. सिक्किम	१३-०४-२०१५
२	दूसरी	सीपीडब्लूडी, सिलीगुड़ी	२५-११-२०१५

समिति के सदस्य

१	निदेशक, रा. प्रौ. सं. सिक्किम	अध्यक्ष
२	श्री अरुण कुमार (अवर सचिव, रा. प्रौ. सं.)	सदस्य
३	कार्यकारी अभियंता, सीपीडब्लूडी	प्रतिनिधित्व सदस्य
४	डॉ. अनजन कुमार रे, डीन (पी ऐंड डी)	कार्यकारी सदस्य
५	मो.सरफराज आलम अंसारी, सहायक प्राध्यापक, संकाय अध्यक्ष (ए और एफए)	विशेष आमंत्री
६	श्री सुकंता चक्रवर्ती, सहायक प्राध्यापक, एफआइसीएमए	विशेष आमंत्री
७	डॉ. मोहन एससी, एस.सी. सहायक प्राध्यापक (सीविल)	विशेष आमंत्री
८	सहायक निबंधक, रा. प्रौ. सं. सिक्किम	कार्यकारी सदस्य
९	कार्यकारी अभियंता (विद्युतीय), सीपीडब्लूडी	सदस्य

वित्त समिति

अब तक राष्ट्रीय प्रौद्योगिक संस्थान सिक्किम के वित्त समिति की दो (०२) बैठक हुई है।

क्रमांक	एफसी बैठक की संख्या	स्थान	तारीख
१	पहली	रा. प्रौ. सं. सिक्किम	१४-०४-२०१५
२	दूसरी	आइआइटी केजीपी एक्सटेंशन केंद्र, कोलकाता	२७-११-२०१५

अंतिम वित्त समिति बैठक में निम्न सदस्यों ने भाग लिया

१	बीओजी अध्यक्ष	अध्यक्ष
२	निदेशक, रा. प्रौ. सं. सिक्किम	सदस्य
३	श्री रमेश शर्मा	सदस्य

शासी सभा

क्रमांक	नाम	पदनाम
१	निदेशक, रा. प्रौ. सं. सिक्किम	प्रबंधकारिणी अध्यक्ष
२	डॉ. नुरुज्जमान	सहायक संकाय अध्यक्ष अकादमिक मामले (एडी, एस)
३	डॉ. सुमीत चटर्जी	विभाग प्रभारी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियंत्रण
४	डॉ. संग्राम रे	विभाग प्रभारी, कंप्यूटर विज्ञान और अभ्यिंत्रण
५	डॉ. अंजन कुमार रे	विभाग प्रभारी, विद्युतीय और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियंत्रण
६	डॉ. शंभुनाथ बर्मन	विभाग प्रभारी, यांत्रिक अभियंत्रण
७	डॉ. प्रसाद बासु	विभाग प्रभारी, भौतिकी
८	डॉ. सुमीत साहा	विभाग प्रभारी, रसायन शास्त्र
९	डॉ. रवि श्रीवास्तव	विभाग प्रभारी, गणित
१०	डॉ. धनंजय त्रिपाठी	विभाग प्रभारी, मानविकी और सामाजिक विज्ञान
११	श्री स्वप्न मन्ना	ज्ञान और सूचना अधिकारी
१२	डॉ. एसएस पाठक	बाह्य सदस्य, बीओजी के नामित
१३	डॉ. बसाबी भट्टाचार्य	बाह्य सदस्य, बीओजी के नामित
१४	डॉ. टी.के. नायक	बाह्य सदस्य, बीओजी के नामित

सहायक अधिष्ठाता निम्न संकाय सदस्य : सहायक अधिष्ठाता नियुक्त किये गये हैं।

क्रमांक	सहायक अधिष्ठाता	पद
१	डॉ. मोहमद नुरुज्जमान	सहायक संकाय अध्यक्ष, अकादमिक मामले
२	डॉ. तारकनाथ कुंडू	सहायक संकाय अध्यक्ष और छात्र मामले
३	डॉ. अंजन कुमार रे	सहायक संकाय अध्यक्ष योजना और विकास
४	श्री मोहमद सरफराज आलम अंसारी	सहायक संकाय अध्यक्ष प्रशासन और प्राध्यापक मामले
५	डॉ. सुमित साहा	सहायक संकाय अध्यक्ष अनुसंधान और सलाह

▶ संस्थान के सुचारू संचालन के लिए गठित समिति एवं संकाय प्रधान :

क्रमांक	समिति	(विभाग प्रभारी)
१	प्रभारी प्रशिक्षण और प्लेसमेंट गतिविधियां (एफ.आई.टी ऐंड पी)	डॉ. संग्राम रे संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग
२	प्रभारी निर्माण और रखरखाव गतिविधियां	डॉ. सरित कुमार दास जानपद अभियांत्रिकी विभाग
३	बिजली और ऊर्जा संरक्षण पहल (एफ.आई.पी.ई.सी.आई.)	डॉ. ऑरबिंद पांडा विद्युतीय और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग
४	प्रभारी सूचना और संचार प्रौद्योगिकी आधारभूत संरचना (एफ.आई.आई.सी.टी.आई.)	डॉ. प्रत्यय क्यूला संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग
५	प्रभारी ज्ञान, सूचना और शिक्षण सक्षमता (एफ.आई.के.आई.एल.ई.)	डॉ. रंजन बसाक यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग
६	प्रभारी सामुदायिक विकास और जागरूकता कार्यक्रम (एफ.आई.सी.डी.पी.ए.)	डॉ. शंभुनाथ बर्मन यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग
७	प्रभारी भूदृश्य, बागबानी और पर्यावरण रक्षा (एफ.आई.एल.जी.ई.पी.)	डॉ. अचिंतेश नारायण विश्वास रसायनशास्त्र विभाग
८	प्रभारी , प्रकाशन और वेब सूचना व्यवस्था (एफ.आई.पी.डब्लू.आई.एस.)	डॉ. धनंजय त्रिपाठी मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग
९	प्रभारी, महिला शिकायत समिति (आई.डब्लू.जी.सी.)	मिस गोपा भौमिक संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग
१०	प्रभारी, खेल, खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधि (एफ.आई.जी.एस.सी.ए.)	डॉ. प्रणब कुंडू यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग
११	प्रभारी, भारतीय भाषा और संस्कृति की प्रोन्नति (एफ.आई.पी.आई.एल.सी.यू.)	डॉ. धनंजय त्रिपाठी मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग

क्रमांक	समिति	(विभाग प्रभारी)
१२	अनुशासनिक बोर्ड (एफ.आई.पी.बी.)	डॉ. तारकनाथ कुंडू रसायनशास्त्र विभाग
१३	स्वास्थ्य देखभाल सेवा (एफ.आई.एच.सी.एस.)	डॉ. रवि श्रीवास्तव गणित विभाग
१४	परीक्षा शाखा का सहायक नियंत्रक	डॉ. सुमित साहा रसायनशास्त्र विभाग
१५	नवाचार शाखा	डॉ. एसजी समादार संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग
१६	एससी/एसटी शाखा	मिस गोपा भौमिक संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग
१७	भंडार और खरीद गतिविधि (एफआई-एस.पी.ए.)	डॉ. तारकनाथ कुंडू रसायनशास्त्र विभाग
१८	वाहन और परिवहन प्रबंधन गतिविधि	डॉ. शॉविक घोष यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग
१९	जन सूचना अधिकारी	डॉ. धनंजय त्रिपाठी, एफ.आई.पी.डब्लू.आई.एस.
२०	मुख्य जन सूचना अधिकारी (पहला अपीलीय प्राधिकार)	श्री मो. सरफराज आलम अंसारी, एफ.आई.डी.ए.

गैर-शैक्षणिक कर्मचारीगण —२०१५-२०१६ के कर्मियों के नाम

क्रमांक	कर्मियों के नाम	पद
१	श्री स्वप्न मन्ना	केआइओ
२	श्री के डी तिवारी	ओएसडी
३	श्री राम नेपाल	सहायक पंजीयक
४	श्री साहिल मिंडा	उप लेखापाल
५	श्री कन्हैया प्रसाद	कनीय अभियंता
६	श्री तपन छेत्री	कंप्यूटिंग सहायक
७	श्री भारत प्रधान	कार्यालय सहायक
८	श्रीमती निशिता छेत्री	कार्यालय सहायक
९	सुश्री सुजाता ढुंगाना	सचिवालीय सहायक
१०	श्री अम्रित शर्मा	प्रयोगशाला तकनीशियन, ईईई
११	श्री हैप्पी मंडल	प्रयोगशाला तकनीशियन, पीएचवाई
१२	श्री क्रिस्टोफर सुधीर जार्ज	प्रयोगशाला सहायक
१३	श्री अनिरुद्ध सिंह	प्रयोगशाला तकनीकशियन , सीएसई
१४	श्रीमती भूख्या हेमावती	उपचर्या सहायक
१५	श्री अमित तमांग	प्रयोगशाला तकनीकशियन
१६	श्री अमित मैती	प्रयोगशाला तकनीकशियन, एमई
१७	श्री शुभो दास	प्रयोगशाला तकनीकशियन, सीविल
१८	श्री सुमन पाठक	प्रयोगशाला तकनीकशियन, रसायनशास्त्र
१९	श्री बापी मंडल	एमटीएस
२०	श्रीमती पूनम सिंह	एमटीएस

प्रतीक चिह्न का स्वीकरण

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम का प्रतीक चिन्ह बनाया जा चुका है और इस रिपोर्ट के कवर पृष्ठ पर दिया गया है। हमारे प्रतीक चिन्ह में शून्य और एक अंक समाहित है जो संगणक-विज्ञान की इकाई है। इस प्रतीक चिन्ह में एक पुल है जो सिविल अभियांत्रिकी का चिन्ह है। हमारा प्रतीक चिन्ह नीचे दर्शाया गया है।

इस चिन्ह में डी.एन.ए की संरचना को भी दिखाया गया है जो कि जीव-प्रौद्योगिकी के उत्थान को दिखाता है। एक नदी और वृक्ष इस प्रदेश के जैव-विविधता को दर्शाते हैं। चिन्ह में दर्शाया गया दीप और उगता सूरज हमारे संस्थान के मुख्य ध्येय वाक्य चरेवेति-बढ़ते रहो का परिचायक है।

दो छोटे पक्षी, जो बाहर उड़ते दिखाई देते हैं, वे दर्शाते हैं कि संस्थान पक्षी रूपी विद्यार्थियों को विकसित होकर उड़ने और अर्जित ज्ञान को फैलाने के लिए खुला छोड़ा गया है, जिससे उनकी और संस्थान की कीर्ति बढ़ती रहे। घेरे को खुला रखकर हमने यह दर्शाने का प्रयास किया है कि संस्थान विद्यार्थी और प्राध्यापकों के उनकी उड़ान में हमेशा अपनी सहायता देता रहेगा।

इस डिजाइन को संस्थान के बी.ओ.जी में सैद्धांतिक रुप से स्वीकार कर लिया गया है।

वेब - साइट का निर्माण

रा. प्रौ. सं. सिक्किम की वेबसाइट डोमेन नेम www.nitsikkim.ac.in से जुलाई २०११ में शुरू की गयी। वेबसाइट में आगे सुधार हुआ है। मौजूदा होम पेज निम्नानुसार डिजाइन किया गया है। (दो दृश्य दिखाते केंद्रीय प्रदर्शन में दो गतिशील तस्वीर दिखते हैं :

डॉ. धनंजय त्रिपाठी पब्लिक और वेब सूचना व्यवस्था समिति के साथ वेबसाइट का नियंत्रण करते हैं। संस्थान के छात्रों का एक समूह कमेटी के समन्वयक श्री बी. बालाजी नायक के साथ वेबसाइट को अद्यतन रखते हैं। वेब डेवलपमेंट सेल ऑफ रा. प्रौ. सं. सिक्किम नाम से छात्रों की एक समिति न सिर्फ वेबसाइट को अद्यतन रखती है, बल्कि नये वेब पन्ना बनाने के अलावा समय-समय पर जरूरत के अनुसार सब-डोमैन का निर्माण भी करते हैं। यह पहल इस क्षेत्र में वेब डेवलपमेंट की प्रायोगिक प्रशिक्षण मुहैया कराती है। वेबसाइट की सामग्रीयों की अंतिम जिम्मेदारी प्रशासनिक प्रमुख की है। हालांकि इसमें बदलाव और अद्यतन तकनीकी प्रमुख के अनुमोदन के बाद ही होता है।

केंद्रीय पुस्तकालय

रा. प्रौ. सं. सिक्किम का ज्ञान और सूचना केंद्र तेजी से इसके संरक्षक के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। इस डिजिटल युग में केआइसी अत्यंत महत्वपूर्ण है। रा. प्रौ. सं. पुस्ताकालय वेबसाइट को एक मूल्यांकन अध्ययन में केआइसी वेबसाइट को अन्य रा. प्रौ. सं. के पुस्ताकालय वेबसाइटों में १२वां स्थान दिया गया है। फिलहाल यह विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक्स संसाधन ई-पत्रिका और ई-पुस्तक के रूप में उपलब्ध करा रहा है। इसके अलावा एनपीटीईएल वीडियोज भी एक्सेस करने योग्य हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ प्रिंट संग्रह बढ़ रहा है। यहा पाठ्य पुस्तक, संदर्भ बुक्स, इनसाइक्लोपीडिया, शब्दकोश, सीडी/डीवीडी, स्थानीय और राष्ट्रीय समाचार पत्र उपलब्ध हैं। केआइसी में विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के समाचार सामग्री, वार्षिक रिपोर्ट, पुस्तिका, सूचना बुलेटिन हिन्दी और अंग्रेजी में उपलब्ध हैं। संरक्षकों के लिए फोटाकॉपी, प्रिंटिंग और उच्च गति का ब्रॉड बैंड इंटरनेट (एलएएन और वाइ-फाई) सुविधा उपलब्ध है। अद्यतन सॉफ्टवेयर लिबसिस ७ के साथ केआइसी स्वचालित है। केआइसी शिक्षण और अनुसंधान प्रोग्राम को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है साथी संरक्षकों की जरूरत के अनुसार सूचनाएं मुहैया कराता है। सभी संरक्षकों के लिए केआइसी शांतिपूर्ण, ज्ञान योग्य वातावरण अध्ययन, अनुसंधान, इनोवेशन और लर्निंग के लिए मुहैया कराता है।

फिलहाल केआइसी प्रभावी रूप से दो कर्मियों के द्वारा संचालित किया जा रहा है :

श्री स्वप्न मन्ना

श्री क्रिस्टोफर सुधीर जार्ज

पुस्ताकालय समय सारणी, पुस्तक आगत एवं निर्गत समय सारणी :

दिन	सत्र १	सत्र २
सोमवार	०९०० बजे - १३०० बजे	१४०० बजे - १७३० बजे
मंगलवार	०९०० बजे - १३०० बजे	१४०० बजे - १७३० बजे
बुधवार	०९०० बजे - १३०० बजे	१४०० बजे - १७३० बजे
गुरुवार	०९०० बजे - १३०० बजे	१४०० बजे - १७३० बजे
शुक्रवार	०९०० बजे - १३०० बजे	१४०० बजे - १७३० बजे
शनिवार	बंद	१४०० बजे - १७०० बजे

▶ संग्रह का विवरण :

१ शीर्षकों की कुल संख्या १५१४
२ सजिल्द पुस्तकों की कुल संख्या ८०९१
३ ई-पुस्तक २३३
४ किंडले ई-पुस्तक ८८०
५ हार्ड कॉपी पत्रिका २४

एसपीआइई डिजिटल लाइब्रेरी आनलाइन एक्सेस शुरू हो चुका है ।

- प्रति छात्र निर्गत पुस्तकों की संख्या में बढ़ोतरी। अब प्रति विद्यार्थी ६ पुस्तक निर्गत होती है।
- शीर्ष प्रबंधन से केआइसी के लिए और स्थान के लिए अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है।
- ६ किंडले ई-पुस्तक रीडर/टैबलेट ४
- आनलाइन डाटाबेस –
- साइंस डायरेक्ट
- आइईईई
- साइफाइंडर
- स्प्रिंगर
- नेचर
- ए.पी.एस (चयनित शीर्षक जरनल्स)
- राष्ट्रीय और स्थानीय अखबार– ७
- एन.पी.टी.ई.एल. वीडियोज

नवीन पहल

- केआइसी से संबंधित भुगतान के लिए कैशलेस लेनदेन शुरू किया गया है।
- प्रति विद्यार्थी निर्गत की जाने वाली पुस्तकों की संख्या बढ़ी है।
- शीर्ष प्रबंधन से केआइसी के लिए और स्थान के लिए अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है।
- एनडीएल पहल के लिए केआइसी हेतु समर्पित सर्वर का अनुमोदन प्राप्त हो चुका है।
- वेब २.० टूल (फेसबुक पेज) का केआइसी में अमल ।
- केआइसी की अलग वेबसाइट शुरू http://kic.nitsikkim.ac.in/
- अभियंत्रण -२०१४ के साथ पुस्तकों का सफलतापूर्व प्रदर्शनी ।
- एसपीआइई डिजिटल लाइब्रेरी आनलाइन एक्सेस शुरू हो चुका है ।
- प्रति छात्र निर्गत पुस्तकों की संख्या में बढ़ोतरी। अब प्रति विद्यार्थी ६ पुस्तक निर्गत होती है।
- शीर्ष प्रबंधन से केआइसी के लिए और स्थान के लिए अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है।

योजना और विकास गतिविधि

वर्ष २०१५-२०१६ की निर्माण प्रगति सूचना

क्रमांक	स्वीकृत कार्य	शुरू किये गये कार्य	पूरा किये गये कार्य	कार्य जो प्रगति पर है
१	पूर्व निर्मित हॉस्टल द्वितीय के पीछे की ओर एक बनाए रखने वाली दीवार का निर्माण	पूर्व निर्मित द्वितीय के पीछे एक बनाए रखने वाली दीवार का निर्माण	रा. प्रौ. सं. सिक्किम में मौजूदा इमारतों की छत की मरम्मत	पूर्व निर्मित संरचना में रसोई सह डाइनिंग ब्लॉक का निर्माण
२	प्रशसनिक खंड से पूर्व निर्मित १ तक सीसी एप्रोच सड़क का निर्माण	प्रशसनिक खंड से पूर्व निर्मित १ तक सीसी एप्रोच सड़क का निर्माण	चरण १ में पूर्व निर्मित होस्टल का निर्माण	रा. प्रौ. सं. सिक्किम में पैंट्री और डब्लू.सी के साथ सम्मेलन कक्ष का निर्माण
३	रा. प्रौ. सं. सिक्किम के पूर्व निर्धारित प्रवेश द्वार पर एक अस्थायी द्वार का निर्माण	रा. प्रौ. सं. सिक्किम के पूर्व निर्धारित प्रवेश द्वार पर एक अस्थायी द्वार का निर्माण	सड़क और आसपास के खेल मैदान के साथ हाथ घेरा का स्थिरीकरण	प्रीफ़ैब्रिकेटेड संरचना में रसोई सह भोजन खंड का निर्माण
४	शैक्षिक खंड हॉस्टल, स्टाफ क्वार्टर और अन्य की आंतरिक पेंटिंग	शैक्षिक खंड हॉस्टल, स्टाफ क्वार्टर और अन्य की आंतरिक पेंटिंग	सुपर कंप्यूटर के समायोजन के लिए कंप्यूटर लैब का निर्माण	चरण २ में पूर्वनिर्मित छात्रावास का निर्माण
५	नयी आवंटित जमीन पर बाड़ लगाना	अनुपलब्ध	रा. प्रौ. सं. सिक्किम के पूर्व निर्धारित प्रवेश द्वार पर एक अस्थायी द्वार का निर्माण	अनुपलब्ध

क्रमांक	स्वीकृत कार्य	शुरू किये गये कार्य	पूरा किये गये कार्य	कार्य जो प्रगति पर है
६	रसोईघर, डाइनिंग हॉल और लड़कों के मेस व शौचालय की मरम्मत और नवीनीकरण, जो यांत्रिक प्रयोगशाला के रूप में इस्तेमाल किया जायेगा	अनुपलब्ध	शैक्षणिक ब्लॉक हॉस्टल के स्टाफ क्वार्टरों और अन्य की आंतरिक पेंटिंग	अनुपलब्ध
७	द्रव यांत्रिकी प्रयोगशाला का निर्माण	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध
८	संरचनात्मक प्रयोगशाला का निर्माण	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध
९	कार्यशाला का निर्माण	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध
१०	चरण द्वितीय में पूर्व निर्मित हॉस्टल के लिए जल निकासी, संपर्क सड़क का निर्माण	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध

शैक्षणिक संकाय

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

विभाग में संकाय सदस्य:

१ डॉ. तारकनाथ कुंडू (एफ. आइ.सी)
२ डॉ. अचिंतेश नारायण विस्वास
३ डॉ. सुमित साहा
४ डॉ. संचारिनी दास

विभाग में उपलब्ध उपकरण की सुविधाएं:

- टी-आइआर और यूवी-विजिबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर्स, कैलोरीमीटर्स, ऑटोक्लेव, बीओडी इनक्यूबेटर, पीएच मीटर्स आदि।

विभाग द्वारा प्रदान किए गए कार्यक्रम / पाठ्यक्रम

- जैव प्रौद्योगिकी में बी.टेक।

रसायनशास्त्र विभाग

विभाग में संकाय सदस्य:

१ डॉ. तारकनाथ कुंडू (एफ. आइ.सी)
२ डॉ. अचिंतेश नारायण विस्वास
३ डॉ. सुमित साहा

विभाग में उपलब्ध उपकरण की सुविधाएं:

- एफटी-आइआर और यूवी-विजिबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर्स, लो टेम्पेरैचर बाथ, रोटरी इवैपोरेटर, मॉडर्न लैबरोटरीज जो कि धुएं वाला ढक्कन से युक्त।

विभाग द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम / पाठ्यक्रम

- रसायनशास्त्र (सीवाई १००१)
- रसायनशास्त्र प्रयोगशाला (सीवाई १०९४)
- पर्यावरणीय अभियंत्रण प्रयोगशाला

अन्य

- डॉ. तारकनाथ कुंडू ने भारत सरकार के डीएसटी-एसईआरबी से परियोजना प्राप्त किया।
- डॉ. अचिंतेश नारायण विस्वास ने डीएसटी-एसईआरबी और सीएसआइआर से दो परियोजना प्राप्त किया।
- इसे शुरू करने के लिए विभाग ने पहल की और वर्तमान में संस्थान में जैवप्रौद्योगिकी विभाग का संरक्षण कर रहा है।

जानपद अभियांत्रिकी विभाग

विभाग में संकाय सदस्य:

१ श्री सम्यजीत बासु (एफ. आइ.सी)
२ श्री सुकांता चक्रवर्ती
३ डॉ. सब्यसाची चंद्रा
४ श्री दुर्गेश विक्रम
५ डॉ. मोहन एससी

विभाग में उपलब्ध उपकरण की सुविधाएं:

- वर्ग कक्ष और कप्यूटर लैब केंद्रीकृत हैं लेकिन असैनिक अभियंत्रण के विद्यार्थी दिन के किसी भी समय इसे प्राप्त कर सकते हैं।

प्रयोगशालाएं :

- सभी स्टेशनों के साथ कला उपकरणों की स्थिति के साथ प्रयोगशाला का सर्वेक्षण।
- पदार्थ जांच प्रयोगशाल स्थापना की प्रक्रिया में है (फरवरी २०१६ तक पूरा कर लिया जायेगा)

विभाग द्वारा प्रदान किए गए कार्यक्रम / पाठ्यक्रम

- बी.टेक और पीएचडी

अन्य

- असैनिक अभियंत्रण विभाग के संकाय सदस्यगण सक्रिय रूप से रा. प्रौ. सं. सिक्किम के परिसर के निर्माण और रखरखाव के काम के साथ जुड़े हुए हैं।

संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग

विभाग में संकाय सदस्य:

१ डॉ. संग्राम रे (एफ. आइ.सी)
२ डॉ. प्रत्यय क्यूला
३ श्री सरफराज आलम अंसारी
४ श्री पंकज कुमार केसरवानी
५ श्रीमती गोपा भौमिक
६ श्री तरुण विस्वास
७ श्री बानभट्ट बालाजी नायक
८ डॉ. (श्रीमती) शेफालिका समादार (गेस्ट संकाय)

विभाग में उपलब्ध उपकरण की सुविधाएं:

- विभाग चार वर्षीय बी.टेक डिग्री प्रस्तुत करता है, दो वर्षीय एमटेक (सीएसई) उपाधि और पीएचडी भी प्रस्तुत करता है।
- विभाग में कंप्यूटर विज्ञान और अभियंत्रण से संबंधित सभी प्रसंग के व्यापक पाठ्यक्रम मौजूद है जिसमें अद्यतन प्रौद्योगिकी की मदद से आवेदकता पर जोर दिया जाता है।

- कोर्स की बनावट अद्यतन है और इसमें आधुनिक कोर्सेज शामिल है जो विद्यार्थियों और शिक्षकों को इस क्षेत्र की अद्यतन विकास से लैस करता है।
- अनुसंधान के क्षेत्र हैं कूटलेखनशास्त्र, नेटवर्क सुरक्षा, पैरेलेल डिस्ट्रीब्यूटेड और उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग, एलॉगरिथम्स, बायोइनफार्मेटिक्स, सिस्टम सॉफ्टवेयर, कंप्यूटर एनिमेशन, सॉफ्टवेयर इंजीनीयरिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग और वायरलेस एवं सेंसर नेटवर्क। इसके जरिये अनुसंधान समूह तैयार करना और पूर्वोतर में सामान्य रूप से और खासकर सिक्किम में अनुसंधान गतिविधि का बढ़ावा देना, जियमें विभिन्न अन्य संगठनों से समन्वय का प्रयास किया जाता है जोकि समुदाय विकास के क्षेत्र में काम कर रहे हैं।
- विभाग अत्याधुनिक ढांचा से लैस है और उच्च गति इथरनेट और वायरलेस संजाल से जुड़ा है।
- विभाग चार वर्षीय बी.टेक (सीएसई) उपाधि, दो वर्षीय एमटेक (सीएसई) डिग्री और पीएचडी (सीएसई) प्रस्तुत करता है।
- विभाग में कंप्यूटर विज्ञान और अभियंत्रण से संबंधित सभी प्रसंग के व्यापक पाठ्यक्रम मौजूद है जिसमें अद्यतन प्रौद्योगिकी की मदद से आवेदकता पर जोर दिया जाता है।
- पाठ्यक्रम संरचना अप-टू-डेट है और क्षेत्र के नवीनतम विकास के साथ छात्रों और शिक्षकों को लैस करने के लिए अत्याधुनिक पाठ्यक्रम शामिल हैं।
- फैकल्टी सदस्य की विशेषज्ञता के आधार पर अंतरअनुशासनिक और बहु अनुशासनिक प्रोजेक्ट विकिसत करने का भी प्रस्ताव है।
- अनुसंधान के क्षेत्र हैं कूटलेखनशास्त्र, नेटवर्क सुरक्षा, पैरेलेल डिस्ट्रीब्यूटेड और उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग, एलॉगरिथम्स, बायोइनफार्मेटिक्स, सिस्टम सॉफ्टवेयर, कंप्यूटर एनिमेशन, सॉफ्टवेयर इंजीनीयरिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग और वायरलेस और सेंसर नेटवर्क। इसके जरिये अनुसंधान समूह तैयार करना और पूर्वोतर में सामान्य रूप से और खासकर सिक्किम में अनुसंधान गतिविधि का बढ़ावा देना, जियमें विभिन्न अन्य संगठनों से समन्वय का प्रयास किया जाता है जोकि समुदाय विकास के क्षेत्र में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के जरिये काम कर रहे हैं।
- विभाग में अत्याधुनिक मूल संरचना है जोकि उच्च गति के इथरनेट और वायरलेस नेटवर्क से लैस है।

प्रयोगशालाएं :

- कंप्यूटर प्रयोगशाला -१ (लैंग्वेज प्रोग्रामिंग, डाटा स्ट्रक्चर और एलागरिदम, वेब डिजाइन आदि के प्रयोगिक वर्ग का इस्तेमाल होता है) ।
- कंप्यूटर प्रयोगशाला–२ (ऑपरेटिंग सिस्टम, कंपयूटर नेटवर्क, डाटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम आदि के लिए प्रायोगिक वर्ग का इस्तेमाल होता है।)
- क्लाउड कंप्यूटिंग प्रयोगशाला
- इनफार्मेशन सेक्यूरिटी प्रयोगशाला (सेटिंग अप प्रक्रिया में है)
- प्रोग्रामिंग लैंग्वेज प्रयोगशाला
- लॉजिक डिजाइन प्रयोगशाला
- हार्डवेयर प्रयोगशाला
- डाटा संरचना प्रयोगशाला
- ऑपरेटिंग सिस्टम प्रयोगशाला
- कंप्यूटर नेटवर्क प्रयोगशाला
- डाटाबेस प्रबंधन सिस्टम प्रयोगशाला

- मशीन इनटेलीजेंस और रोबोटिक्स प्रयोगशाला
- वेब डिजाइन प्रयोगशाला
- क्लाउड कंप्यूटिंग प्रयोगशाला

विभाग में चालू परियोजना/ योजना

- इलेक्ट्रॉनिक्स और आइटी में विश्वेसवरैया पीएचडी योजना चलायी जा रही है, जो एमईआइटी, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है।

अन्य विभाग / संस्थानों के साथ सहभागिता

- ब्रेमेन विश्वविद्यालय, जर्मनी
- इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, खड़गपुर
- इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गुवाहटी
- सीडीएसी, पूणे

विभाग द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम / पाठ्यक्रम

- संगणक विज्ञान और अभियंत्रण में बी.टेक
- सूचना सुरक्षा में विशेषज्ञता के साथ कंप्यूटर विज्ञान और अभियंत्रिकी में एम.टेक
- संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी में पीएचडी

बड़ी उपलब्धि जो हासिल की गयी

- २०१५- २०१६ में एमटेक पाठ्यक्रम शुरू किया गया

कोई विशेष व्याख्यान/ सेमिनार जो आयोजित किया गया

- ७ नवंबर, २०१५ को " बिग डाटा एनालायसिस ऐंड हैडूप" पर एकदिवसीय कार्यशाला।
- एथिकल हैकिंग" पर ८ नवंबर, २०१५ को एक दिवसीय कार्यशाला।
- एथिकल हैकिंग और सूचना सुरक्षा" पर मार्च १७, २०१६ को एक दिवसीय सेमिनार।
- सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम के तहत विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए विशेष व्याख्यान और प्रयोगशाला का दौरा किया गया।

२०१५-२०१६ में सामुदायिक विकास में सहभागिता

- स्थानीय विद्यालयों में वरिष्ठ संकाय के द्वारा व्याख्यान।
- स्थानीय गांवों में बच्चों को कंप्यूटर से परिचय।
- विद्यालय के विद्यार्थियों को विभागीय/प्रयोगशाला का दौरा कराना।

२०१५-२०१६ के दौरान नियुक्ति / इंटर्नशिप

- २०१५-१६ में नियुक्ति का प्रतिशत ९० प्रतिशत से ज्यादा।
- परिसर का दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या: परिसर में–०५ और पूर्वोत्तर के संस्थानों का पूल परिसर में - १५।
- आइआइटी बंबई में इंटर्नशिप; आइआइटी खड़गपुर; इशान विकास के तहत आइआइटी गुवाहटी; नार्थ-इस्टर्न स्पेश अप्लीकेशन सेंटर, मेघालय।

विद्युतीय एवं कणिका अभियांत्रिकी विभाग

विभाग में संकाय सदस्य:

१ डॉ. अनजन कुमार रे (विभाग के एफ.आई.सी.)
२ श्री शंकर एस
३ श्री प्रदीप कुमार
४ श्री मॅलय राय
५ डॉ. सौरव मल्लिक
६ डॉ. अरबिंद पांडा
७ डॉ. अमित कुमार यादव

विभाग में उपलब्ध उपकरण की सुविधाएं:

- जगहों की गंभीर कमी के बावजूद विभाग अकादमिक बेहतरी के लिए अग्रसर है। इसने अपना मशीन लैब सुविधा का विकास शुरू किया है, सीडीएसी, बंगलुरु से वित्त पोषण के द्वारा विश्वेशरैया स्कीम की प्रोजेक्ट प्राप्त किया है।

विभाग द्वारा प्रदान किए गए कार्यक्रम / पाठ्यक्रम

- विद्युतीय एवं कणिका अभियंत्रण में बी.टेक
- पीएचडी प्रोग्रामिंग

विभागीय प्रयोगशालाएं:

- इस ने अपनी मशीन पुस्ताकालय सुविधा शुरू की है।

विभाग में चालू परियोजना/ योजना

- ईईईके डॉ. अंजन कुमार रे ने विश्वेशरैया पीएचडी परियोजना "इंटेलीजेंट नेटवर्क रोबोटिक सिस्टम्स" प्रोफेसर अरुण बरन समादार के साथ प्राप्त किया है। इस प्रोजेक्ट के तहत एक पूर्ण कालिक पीएचडी विद्वान विभाग से जुड़े हैं।
- सीडीएसी बंगलुरु के सहभागिता में विभाग ने प्रोजेक्ट "सी-डीएसी किट्स का इस्तेमाल करते हुए पूर्वोत्तर के शैक्षिक संस्थानों में अनुसंधान प्रयोगशालाओं की स्थापना" शुरू किया है। चार सहयोगी संस्थान हैं जोकि रा. प्रौ. सं. सिलचर, रा. प्रौ. सं. सिक्किम, गुवाहटी यूनिवर्सिटी इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, असम और राजीव गांधी यूनिवर्सिटी, अरुणाचल प्रदेश हैं। इसका उद्देश्य उभरती प्रौद्योगिकी पर प्रयोगशाला की सुविधाएं स्थापित करना है जिसमें निम्नलिखित अनुसंधान लैब्स शामिल हैं:
  - क एससीएडीए ऐंड ऑटोमेशन
  - ख वायरलेस सेंसर नेटवर्क
  - ग क्लाउड कंप्यूटिंग
  - घ अगमेंटेड रियलिटी

अन्य विभाग / संस्थानों के साथ सहभागिता

- रा. प्रौ. सं., सिलचर
- गुवाहटी यूनिवर्सिटी इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, असम
- राजीव गांधी यूनिवर्सिटी, अरुणाचल प्रदेश
- रा. प्रौ. सं., दुर्गापुर
- आई.आई.टी.खड़गपुर

बड़ी उपलब्धि जो हासिल की गयी

- इस अवधि में पीएचडी प्रोग्राम का विस्तार किया गया। पांच अंशकालिक पीएचडी स्कॉलर विभाग से जुड़े। वे सिक्किम और पश्चिम बंगाल के अभियंत्रण कॉलेज के फैकल्टी सदस्य हैं। विभाग ने पूर्ण कालीन पीएचडी कार्यक्रम भी शुरू किया है और वित्त पोषित परियोजना हासिल किया है।

२०१५-२०१६ में आयोजित विशेष व्याख्यान/ सेमिनार

- विभागीय फैकल्टी सदस्य सभी संस्थानिक व्याख्यान/ सेमिनार/ कार्यशाला में शामिल होते रहे हैं, जैसे कि वार्षिक टेक फेस्ट अभियंत्रण में व्याख्यान श्रृंखला आयोजन किया।

२०१५-२०१६ में सामुदायिक विकास में भागीदारी

- विद्यार्थियों के समूह ने एक स्टार्ट-अप जिसे वाडर्स ग्रुप नाम दिया दिया गया की शुरुआत की। इसका उद्देश्य 'इंटेलीजेंट होम ऑटोमेशन सिस्टम रासेल और गंत्व्य' आपका ऑन-रोड सहायक' विकसित करना था। संकाय सदस्यों के साथ विद्यार्थियों ने स्वच्छ भारत अभियान में भागीदारी की। संकाय सदस्य खुले दिन कार्यक्रम के तहत विद्यालय छात्रों के साथ मुलाकात की। वे प्रेरक शिविर में भी शामिल रहे।

२०१५-२०१६ के दौरान नियुक्ति / प्रशिक्षण

- विद्यार्थी इंफोसिस, आइबीएम, रोबर्ट, बास्क, टेक महिंद्रा, एमयू सिग्मा, विप्रो, एल एंड टी कंस्ट्रक्शन, ऑरेकल कॉरपोरेशन में प्लेसमेंट पाने में कामयाब रहे। विद्यार्थियों ने प्रतिष्ठित औद्योगिक और अकादमिक संस्थान मसलन भेल, एएलटीटीसी गाजियाबाद, एनटीपीसी, एनएचपीसी, आइओसीएल, आइआइटी बंबय, आइआइटी गांधीनगर में इंटर्नशिप किया ।

▶ सूक्ष्म कणिका एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग

विभाग में संकाय सदस्य:

१ डॉ. संजय कुमार जेना (विभाग के एफ.आई.सी.)
२ डॉ. कौस्तव भौमिक
३ श्री सुरजीत कुंडू
४ श्रीमती रेशमी धारा
५ श्री हेमंत कथानिया
६ डॉ. सुमित कुमार चटर्जी
७ श्री एजिल मैथ्यू

▶ *विभाग में उपलब्ध उपकरण की सुविधाएं:*

- माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक और वीएलएसआई डिजाइन:
- वीएलएसआई डिजाइन लैब
- आरएफ, माइक्रोवेव और एंटीना:
- उपकरण:
- डैटल सिग्नल प्रोसेसिंग लैब
- ईसीई लैब के लिए अतिरिक्त उपकरण:

विभाग द्वारा प्रदान किए गए कार्यक्रम / पाठ्यक्रम

- इलैक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियंत्रण में बी.टेक।
- माइक्रोइलेक्ट्रोनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में एम.टेक।
- विभिन्न विशेषज्ञताओं में पीएचडी कार्यक्रम ।

बड़ी उपलब्धि जो हासिल की गयी

- एम.टेक पाठ्यक्रम की प्रस्तुति।
- विभिन्न परियोजनाओं के तहत पीएचडी पूर्णकालिक/अंशकालिक कार्यक्रम की प्रस्तुति (एसएमडीपी सी २ एसडी, विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना)।
- विभिन्न शोध क्षेत्रों में इंटर्नशिप: अधिकतम दो महीने की अवधि।

कोई विशेष व्याख्यान/ सेमिनार जो आयोजित किया गया

- डॉ. एस.जी. समदार
- डॉ. अभिजीत मित्रा (आईआईटी गुवाहाटी)
- डॉ. पंकज प्रताप सिंह (सहायक प्रोफेसर, सीआईटी कोकराझार)
- डॉ. दिब्येंदु रॉय (सहायक प्रोफेसर, यूआईटी, बर्दवान विश्वविद्यालय)
- श्री राहुल कुमार (आईआईटी खड़गपुर में पीएचडी थीसिस प्रस्तुतकर्ता)
- श्री कास्तव दास (एम.टेक आईआईटीजी, पीएचडी के विद्यार्थी)
- सीएनसी मशीन का उपयोग करके पीसीबी प्रोटोटाइप और एंटीना निर्माण पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- विभागीय सोसाइटी 'अनुव्रत' द्वारा आयोजित छात्रों के कई कार्यक्रम और कार्यशालाएं।

विभाग में चालू परियोजना/ योजना

एसएमडीपी-सी २ एसडी माइक्रोइलेक्ट्रोनिक्स के लिए
प्रौद्योगिकी और वीएलएसआई डिजाइन
विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना

▶ मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग

विभाग में संकाय सदस्य:

१ **डॉ. धनंजय त्रिपाठी (एफ.आई.सी)**

▶ गणित विभाग

विभाग में संकाय सदस्य:

१ **डॉ. रवि श्रीवास्तव (एफ.आई.सी)**
२ **डॉ. ओम प्रकाश**

▶ यात्रिकी अभियांत्रिकी विभाग

विभाग में संकाय सदस्य:

१ **डॉ. शंभूनाथ बर्मन (विभाग के एफ.आई.सी)**
२ **डा. शौविक घोष**

३ **डॉ. रंजन बसाक**
४ **डॉ. प्रणब कुमार कुंडू**
५ **श्री देबजित साहा**

विभाग में उपलब्ध उपकरण की सुविधाएं:

- एमई विभाग ने २०१४ में अपनी यात्रा प्रारंभ की। २०१४ में पहले बैच के तौर पर छात्रों का नामांकन किया गया। विभाग ने यांत्रिक कार्यशाला जैसे बुनियादी प्रयोगशाला, स्थापित किया। २०१६ के अंत में, द्रव यांत्रिकी प्रयोगशाला पूरी कर ली गई है। छात्रों की प्रयोगशालाओं में केंद्रीय तौर पर वाई-फाई सुविधा प्रदान की जाती है।

विभागीय प्रयोगशालाएं:

- २०१५-१६ के सत्र के दौरान, द्रव यांत्रिकी प्रयोगशाला का एक हिस्सा स्थापित किया गया है।

विभाग द्वारा प्रदान किए गए कार्यक्रम / पाठ्यक्रम

- यांत्रिक अभियंत्रण में बी.टेक
- यांत्रिक अभियंत्रण में पीएचडी

कोई विशेष व्याख्यान/ सेमिनार जो आयोजित किया गया

- प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रसिद्ध फैकल्टी ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्रों को मूल्यवान व्याख्यान दिए हैं।
- प्रो गौतम विश्वास

भौतिकी विभाग

विभाग में संकाय सदस्य:

१ **डॉ. नुरुज्जमान (एफ.आई.सी)**
२ **डॉ. अनन्द्य बिस्वास**

विभाग में उपलब्ध उपकरण की सुविधाएं:

- बी. टेक प्रयोगात्मक उपकरण
- इलेक्ट्रॉनिक सर्किट में शोर के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए अनुसंधान उपकरण।
- भूकंप के क्षेत्र में शोध के लिए रेडॉन गैस डिटेक्टर।
- न्यूमेरिकल सिमुलेशन और जीपीयू कंप्यूटिंग के लिए वर्क स्टेशन

अन्य विभाग / संस्थानों के साथ सहभागिता

- जादवपुर विश्वविद्यालय के सहयोग से रेडॉन गैस का पता लगाने की सुविधा स्थापित की गई है।
- हरीश-चंद्र अनुसंधान संस्थान, इलाहाबाद।
- परमाणु भौतिकी का साहा संस्थान।

विभाग द्वारा प्रदान किए गए कार्यक्रम / पाठ्यक्रम

- भौतिकी, मूल विज्ञान।
- विद्युतचुंबकीय क्षेत्र सिद्धांत, ठोस अवस्था उपकरणों, बुनियादी विद्युत विज्ञान, गैर-अक्षीय गतिशीलता और क्वांटम सूचना विज्ञान का परिचय।

संस्थान में आमंत्रित विभिन्न व्याख्यान

क्रमांक	वक्ता के नाम	पदनाम	व्याख्यान अध्याय
१	डॉ. अम्रेताशिस सेनगुप्ता	पश्च-डाक्टरेट सहचर, नैनो स्तरीय उपकरण शोध प्रयोगशाला, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम अभियंत्रण विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बैंगलोर - ५६० ०१२, भारत	२-आयामी चैनल सामग्री आधारित नेक्स्ट जेनरेशन नैनो स्केल एमओएस डिवाइस
२	प्रो. सिंगम जयंतू	खनन अभियंत्रण विभाग, रा. प्रौ. सं. राउरकेला -७६९००८	खनन उद्योग के लिए अंतरविषयक अनुसंधान की अत्यावश्यक जरूरत
३	डॉ. पुनीत शर्मा	सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विभाग आई.आई.टी., जोधपुर	असतत डायनामिकल सिस्टम में अराजकता और संवेदनशीलता
४	डॉ. अरुणाभ ठाकुर	पश्च डाक्टरेट सहचर, रसायन विज्ञान विभाग, टीयू ड्रेस्डन, जर्मनी और इन्स्पायर फैकल्टी पुरस्कार प्राप्तकर्ता	स्थिर लघु संयोजी मिश्रित बाइनरी पनिक्टोजेंस का संश्लेषण और लघु अणु सक्रियण के लिए बी (आई) यौगिक

अनुसंधान गतिविधियां

जारी परियोजना

- डॉ. सुमित साहा - जैव सक्रिय प्राकृतिक उत्पादों के असममित संश्लेषण और चिरल टेम्प्लेट (डीएसटी) के रूप में कार्बोहाइड्रेट का उपयोग करने वाले संबंधित यौगिक (चालू)।
- डॉ. तारकनाथ कुंडू - कार्बोहाइड्रेट व्युत्पन्न विनाइल साइक्लो प्रोपेन्स (डीएसटी) का धातु उत्प्रेरित औपचारिक डायस्ट्रेओ और एंटी चयनित प्रतिक्रिया (चालू)।
- डॉ. अचिन्तेश नारायण बिस्वास - सी.एच एक्टिवेशन और जल ऑक्सीकरण (डीएसटी) में धातु-ऑक्सीजन इंटरमीडिएट्स की प्रतिक्रियाशीलता ट्यूनिंग (चालू)।
- डॉ. अचिन्तेश नारायण बिस्वास - पृथ्वी पर प्रचलित संक्रमण धातु पर आधारित आणविक जल ऑक्सीकरण उत्प्रेरक (सीएसआईआर) (चालू)।

- डॉ. अंजन कुमार राय - विश्वेश्वरैया परियोजना: इंटेलिजेंट नेटवर्क रोबोटिक सिस्टम (डीईआईटीवाई) (चालू)।
- डॉ. संग्राम राय - विश्वेश्वरैया परियोजना: वायरलेस सेंसर नेटवर्क (डीईआईटीवाई) के लिए कुशल एल्गोरिदम का विकास (चालू)।
- प्रोफेसर अरुण बरन सामदार - विश्वेश्वरैया परियोजना: मल्टीमीडिया शिक्षण- सीखने वाली सामग्री अनुकूलन (डीईआईटीवाई) (चालू)।
- डॉ. शेफालिका घोष सामदार - विश्वेश्वरैया परियोजना: एक सुरक्षित बॉर्डर गेटवे प्रोटोकॉल और राउटर (डीईआईटीवाई) का डिजाइन।
- डॉ. संजय जेना - विश्वेश्वरैया परियोजना: उच्च गति अर्धचालक उपकरणों का डिजाइन (डीईआईटीवाई) (चालू)।
- प्रोफेसर अरुण बरन सामदार - एसएमडीपी सी२एसडी: एक चिप का विकास (एफपीजीए आधारित बोर्ड लेवल डिजिटल डिज़ाइन), खासकर भूकंप की भविष्यवाणी और आरएफ परीक्षण (डीईआईटीवाई) के लिए (चालू)।

पूर्ण परियोजनाएं

- डॉ. एम नुरुज्जमान - एन्सेम्बल का कार्यान्वयन आरजीओओ डेटा (डीएसटी) (पूरा) का उपयोग करते हुए ROMS मॉडल में Kalman फ़िल्टर आधारित डेटा एसिमिलेशन सिस्टम को ट्रांसफ़ॉर्म करना।
- (सीडैक) परियोजना: उत्तर पूर्व क्षेत्र शैक्षिक संस्थानों में सी-डैक लैब किट का उपयोग कर अनुसंधान प्रयोगशालाओं की स्थापना (पूर्ण)।

▶ प्रकाशन:

पत्रिका

- पी कुमार और एन कुमार, *सिमुलेशन ऑफ थ्री-फेज थ्री-वायर एक्टिव पावर फिल्टर यूजिंग पी-क्यू थ्योरी,* इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव रिसर्च इन इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंस्ट्रुमेंटेशन एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग, वॉल्यूम ४, अंक ३, ५-८, मार्च २०१६।
- एस भट्टाचार्यजी और एके रे. *सेंटिमेंट एनालिसिस: अप्रोचेज, अप्लीकेशंस एंड चैलेंजेज,* इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड एडवांसमेंट इन कम्प्यूटर साइंस, वॉल्यूम ४, स्पेशल इश्यू, ५१६-५२७, २०१५।
- एम रॉय और एम सेनगुप्ता, *ए कम्यूटेशन स्ट्रैटजी फॉर आईजीबीटी-आधारित सीएसआई-फेड पैरालेल रेजोनेंट सर्किट फॉर इंडक्शन हीटिंग अप्लीकेशन,* साधना एकेडमी प्रोसिडिंग - इंजीनियरिंग विज्ञान, २०१६ में स्वीकृत।
- एम रॉय और एम सेनगुप्ता, *डिजाइन, रीयल टाइम मॉडलिंग, सिमुलेशन एंड डिजिटल इंप्लीमेंटेशन ऑफ फेज-लॉक्ड लूप बेस्ड ऑटो-सिंक्रोनाइजिंग करंट सोर्स्ड कन्वर्टर फॉर एन इंडक्शन हीटिंग प्रोटोटाइप,* साधना एकेडमी प्रोसिडिंग – अभियंत्रण विज्ञान, २०१६ में स्वीकृत।
- एस बोरा और आर श्रीवास्तव, *डिस्टैंस प्रोब्लेम्स फॉर हर्मिटियन मैट्रिक्स पेंसिल विथ आईजेनवैल्यूज ऑफ डिफिनिट टाइप, एसआईएएम जर्नल ऑन मैट्रिक्स एनालिसिस एंड अप्लीकेशंस, वॉल्यूम ३७, (२०१६) नंबर १, पीपी.५३-८५।*

सम्मेलन

- कनार्ड एंड मिक्स्ड मोड ऑसिलेशंस इन एन एक्साइटेबल ग्लो डिस्चार्ज प्लाज्मा इन द प्रेजेंस ऑफ इन्होमोजीनियस मैग्नेटिक फील्ड, पीके शॉ, एएनएस आयंगर, एम नुरुजमान,
- फिजिक्स ऑफ प्लाज्मा (१९९४-वर्तमान) २२ (१२), १२२३०१ (२०१५)।
  मल्टी-स्केल डायनामिक्स इन एक्सटर्नली एक्साइटेड ग्लो डिस्चार्ज प्लाज्मा, यू डेका, ए राव, एम नुरुज्जमान, फिजिकेस्क्रिप्टा ९० (१२), १२५६०२ (२०१५)।
- गोपा भौमिक, शेफालिका घोष समदार, अरुण बरन सामदार, डिजिटल पोस्चर एनालिसिस बुद्धा इमेजेज फॉर क्लासिफिकेशन ऑफ सेक्ट्स एंड हिस्टोरिकल टाइम स्केल, पोस्टर प्रेजेंटेशन, रीजनल सेलेब्रेशन ऑफ वोमेन इन कंप्यूटिंग, ईस्ट एंड नॉर्थ-ईस्ट, डिपार्टमेंट ऑफ सीएसई, आईआईटी गुवाहाटी इन एसोसियेशन विथ एसीएम-इंडियाज एसीएम-डब्ल्यू, आईआईटी गुवाहाटी, २ से ३ नवंबर २०१५।
- गोपा भौमिक, शेफालिका घोष समदार, अरुण बरन सामदार, डिजिटल ऑथेंटिकेशन ऑफ द इमेजेज ऑफ बुद्धा इन पोर्टेट ऑफ थंगका फॉर डिटरमिनेशन ऑफ सेक्ट्स एंड पीरियड्स, नेशनल कांफ्रेंस ऑन साइंटिफिक वैलिडेशन ऑफ ट्रेडिशनल नॉलेज, एमएचआरडी-आईपीआर चेयर, आईआईटी रूड़की, आईआईटी रूड़की, मार्च १२ से १३, २०१६।
- मन्ना, स्वप्न; सामदार, शेफालिका घोष और सामदार, अरुण बरण, एमओओसी में आईपीआर मुद्दे का हल। एमफिल / पीएचडी कोलोकियम। आईसीआईएस- २०१५। १३-१४ नवंबर, २०१५। NILIS श्री लंका। स्वीकृत लेकिन प्रस्तुत नहीं किया गया।
- मन्ना, स्वप्न; सामदार, शेफालिका घोष और सामदार, अरुण बरण। एमओओसी में आईपीआर मुद्दे का हल। बौद्धिक संपदा संरक्षण के विकास के शासन पर राष्ट्रीय सम्मेलन २-४ नवंबर, २०१५। जेएनयू, दिल्ली ।
- मन्ना, स्वप्न; सामदार, अरुण बरण और सामदार, शेफालिका घोष। ओपन लर्निंग संसाधन और पुस्तकालय रिपॉजिटरीज के इंटरफेस। अकादमिक पुस्तकालयों में उभरते रुझानों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (पुस्तकालय दिवस मनाते हुए), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर २१ अगस्त, २०१५।
- एम. रॉय और एम. सेनगुप्ता। एन ओवर-वोल्टेज प्रोटेक्शन स्कीम विथ वेरी फास्ट रिस्पांस फॉर अप्लीकेशन इन ए सीएसआई-फेड इंडक्शन हीटिंग प्रोटोटाइप। राष्ट्रीय विद्युत इलेक्ट्रॉनिक्स सम्मेलन की कार्यवाही, एनपीईसी-२०१५, आईआईटी बॉम्बे, दिसंबर २०१५।
- सुनीत के गुप्ता, प्रलय कुइला और प्रसन्ना के। जेना, "जीए-बेस्ड इनर्जी एफिसिएंट एंड बैलेंस्ड राउटिंग इन के-कनेक्टेड वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स," आईसीआईसी २ २०१६, एआईएससी (स्प्रिंगर), वॉल्यूम ४५८, पीपी।६७९-६८६ (२०१६)।
- ओम प्रकाश, और ए गोस्वामी, स्टैचस्टिक इन्वेंट्री मॉडल विथ फाइनाइट प्रोडक्शन रेट एंड टू लेवल ऑफ ट्रेड क्रेडिट फाइनांसिंग, पब्लिकेशन इन प्रोसीडिंग ऑफ "इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एडवांसेस इन प्रोडक्शन एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग २०१५"।

पुस्तक अध्याय

- प्रत्यय कुइला और प्रसांत के. जेना, "इवोल्यूशनरी कम्प्यूटिंग अप्रोचेज फॉर क्लस्टरिंग एंड राउटिंग इन वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स," हेंडबुक ऑफ रिसर्च ऑन नैचुरल कंप्यूटिंग फॉर ऑप्टिमाइजेशन प्रॉब्लम्स (आईजीआई ग्लोबल) में, पीपी २४६-२६६। (२०१६)। आईएसबीएन ९७८१५२२५००५८२।

विभिन्न आयोजन और उत्सव

उदगम-१५

उदगम, रा. प्रौ. सं. सिक्किम का वार्षिक सांस्कृतिक त्योहार, संगीत और कला, नृत्य और नाटक के विचारों और शब्दों की ध्वनि और रोशनी की परिणति है, प्रत्येक व्यक्ति में कलाकार के गुण लाने के लिए एक आदर्श मंच है। उत्सव का उद्देश्य सामाजिक मुद्दों पर युवाओं के विचारों की अभिव्यक्ति के लिए एक मंच के रूप में सेवा करना है। उदगम का दूसरा अध्याय २३ से २५ अप्रैल, २०१५ के दौरान आयोजित किया गया था। यह महोत्सव श्री अविनाश मोहनानी (पुलिस महानिदेशक, सिक्किम) की उपस्थिति से गौरवान्वित था। तीन दिवसीय उत्सव के दौरान आयोजित कार्यक्रम के दौरान यह उत्सव स्थानीय कलाकारों, पास के विद्यालयों के छात्रों (जेएनवी रवन्गाला, डीएवी रंगीत नगर, सीएसटी स्कूल रावणला और वीसीजीएल रावणला) के साथ-साथ रा. प्रौ. सं. सिक्किम के छात्रों को अपने सांस्कृतिक प्रदर्शनों के साथ-साथ भाग लेने के लिए भी एक मंच के रूप में कार्य करता है। उत्सव के अंतिम दिन, विभिन्न कार्यक्रमों के विजेताओं को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अभियंत्रण -१४

हर साल रा. प्रौ. सं. सिक्किम के छात्रों द्वारा वार्षिक तकनीकी उत्सव कार्यक्रम अभियंत्रण आयोजित किया जाता है। उत्सव के पीछे हमारा मुख्य आदर्श वाक्य है कि हर एक उत्सुक और अभिनव मन को एक छत के नीचे एक साथ लाना और एक मॉडल या प्रोजेक्ट पेश करके या विभिन्न भावना-निर्माण के कार्यक्रमों का आयोजन करके उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना है। वार्ता, व्याख्यान और सेमिनार, तकनीकी प्रतियोगिताओं द्वारा कई नवोदित नवोन्मेषकों और युवा दिमाग उत्सव में भाग लेते हैं और हर साल अपनी मौजूदगी और प्रतिभा के साथ इस आयोजन को शोभा प्रदान करते हैं। यह उत्सव दुनिया भर के प्रतिष्ठित कर्मियों की उपस्थिति से भी शोभायमान होता है, जो न केवल उत्सव में भाग लेते हैं बल्कि विद्यार्थियों को अपने व्याख्यान के जरिये भी प्रेरणा देते हैं और कड़ी मेहनत और समर्पण द्वारा आधुनिक तकनीक के पाठ्यक्रम को बदलने के लिए प्रेरित करते हैं।

१३ से १६ नवम्बर, २०१५ के दौरान अभियंत्रण के दूसरे अध्याय का आयोजन किया गया था और यह उत्सव डॉ. ए.एस. किरण कुमार (इसरो के अध्यक्ष), डॉ. एलएलवी कुमार रेड्डी (परमाणु ईंधन वैज्ञानिक, एनएफसी हैदराबाद), प्रोफेसर जयंता कुमार भट्टाचार्य (निदेशक, एचआरआई इलाहाबाद), दीपा मलिक (अर्जुन पुरस्कार), डॉ. क्रिस्टोफर सोगहीयन (टीईडी के वरिष्ठ सहयोगी) और श्री श्रीनिवास चामरेथी (करियर मार्गदर्शक) के प्रेरक वक्तव्य से काफी सफल रहा। तकनीकी कार्यक्रमों के अलावा, यह उत्सव श्री धनंजय हेगडे (शास्त्रीय गायक) और सुश्री पासांगदोमा लामा (फाइनल, द वॉयस ऑफ इंडिया) जैसे कलाकारों द्वारा आनंददायक प्रस्तुतियों से भी प्रकाशित किया गया था।

अनुसंधान एवं अभिनव शिखर सम्मेलन

१४ नवंबर, २०१५ को रिसर्च एंड इनोवेशन शिखर सम्मेलन (आरआईएस) में संगठित, परियोजनाओं, संगोष्ठियों की भी विभिन्न तकनीकी कार्यक्रमों की मेजबानी के अलावा, रा. प्रौ. सं. सिक्किम का तकनीकी-सामाजिक उत्सव अभियंत्रण'१५ का भी आयोजन किया गया। यहां, पूरे देश के इच्छुक युवा छात्रों ने वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्रों के कुछ अनुभवी दिग्गजों के सामने अपनी परियोजनाओं का प्रदर्शन और प्रचार किया, जिन्होंने अपनी विशेषज्ञता और ज्ञान उनके साथ साझा किया और प्रतिस्पर्धा का भी निर्णय किया। यह छात्रों को अपनी प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने और आधुनिक तकनीक को दोबारा परिभाषित करने और क्रांति लाने के लिए उत्कृष्ट अवसर के रूप में कार्य करता है।

पूरे उत्सव के आयोजन और नेतृत्व के लिए प्रो अरुण बरन सामदार को प्रमुख संरक्षक, डॉ. तारकनाथ कुंडू को संरक्षक के रूप में, अध्यक्ष के रूप में डॉ. धनंजय त्रिपाठी, उपाध्यक्ष श्री हेमंत कुमार कथानिया को, संपूर्णानंद मिश्रा (सचिव), दीपेश रस्तोगी (समन्वयक) छात्रों की एक रचनात्मक और उत्साही टीम द्वारा समर्थित है।

इस उत्सव ने बड़ी संख्या में प्रायोजकों को देखा, क्योंकि उन्होंने विभिन्न श्रेणियों में प्रायोजित करने में अपनी रुचि दिखाई थी। उत्सव होटल मानदाला, मैसर्स कोयू एंटरप्राइजेज और सीआईएसबी द्वारा प्रायोजित किया गया था। तकनीकी सहयोगी इन्फि-जील टेक्नोलॉजीज, साइबर क्योर टेक्नोलॉजीज, सीएडी डेस्क, टेक ट्रंक वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड और रॉक्सेंट टेक्नोलॉजीज थे। ऑनलाइन शॉपिंग पार्टनर ईबे और मीडिया पार्टनर सिक्किम एक्सप्रेस थे।

नियोजन आंकड़े : २०१२-२०१६

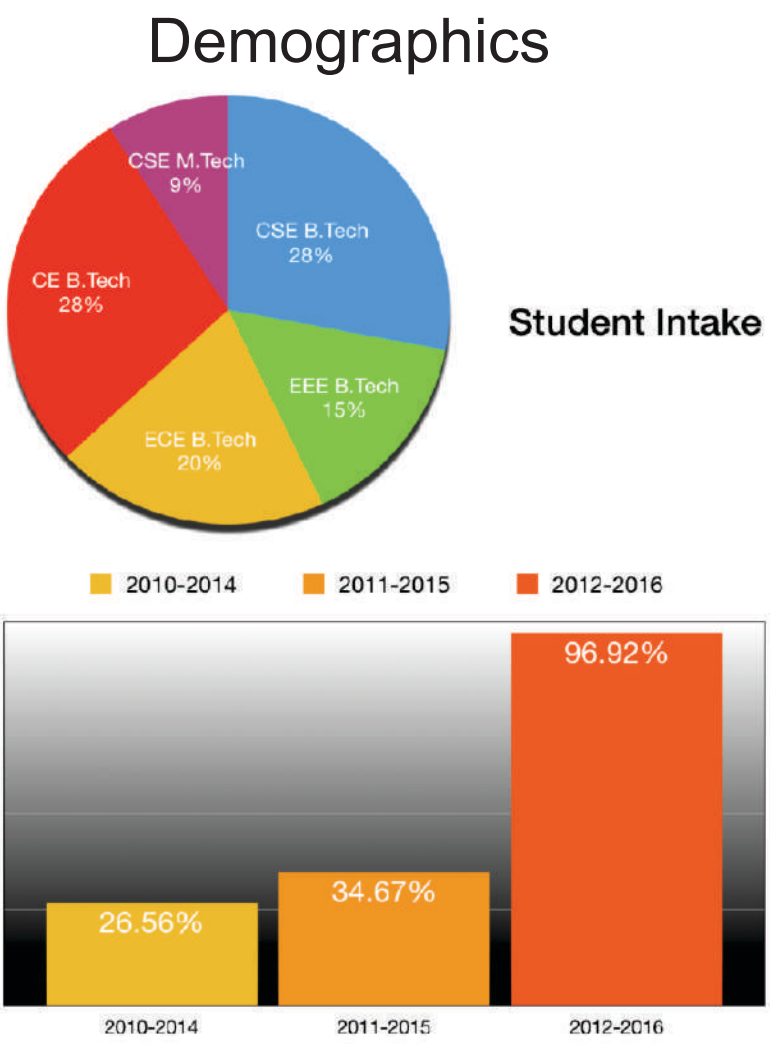

प्रशिक्षण और औद्योगिक अनावरण

अंडर ग्रेजुएट छात्रों को अपने चौथे और ६ वीं सेमेस्टर के बाद विभिन्न सर्वश्रेष्ठ संस्थानों और देश के प्रसिद्ध उद्योगों में गर्मियों में इंटर्नशिप / प्रशिक्षण दिया गया। इससे उन्हें कार्य अनुभव हासिल करने का अवसर प्रदान किया जाता है और उन्हें अनुसंधान और उद्योग की जरूरतों के वर्तमान क्षेत्रों में भी संवेदनशीलता प्रदान करता है। जिन संगठनों में छात्रों को प्रशिक्षित / प्रशिक्षित किया गया है, उनमें से कुछ हैं:

- भेल (बीएचईएल)
- बीएसएनएल
- सीडैक
- एल एंड टी कंस्ट्रक्शन
- आईबीएम
- आईआईटी गुवाहाटी
- एनटीपीसी इत्यादि

पूर्व नियोक्ता हैं :

- इंटेल
- माइक्रोसॉफ्ट
- पावर ग्रिड
- नैशनल इंस्ट्रूमेंट्स
- विरटुसा
- आईबीएम इत्यादि

प्रतिवेदन टीम का गठन

प्रतिवेदन तैयारी एवं संकलन द्वारा :

डॉ. धनंजय त्रिपाठी

(प्रकाशन एवं वेब सूचना प्रणाली संकाय प्रभारी)

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय रा. प्रौ. सं. सिक्किम

श्री बी. बालाजी नायक

(संयोजक - प्रकाशन एवं वेब सूचना प्रणालियां)

संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी रा. प्रौ. सं. सिक्किम